



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 16, 1980 (श्रावण 25, 1902)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 16, 1980 (SRAVANA 25, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, निपन्त्रक और महालेखापरीक्षक, रांघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मई 1980

सं० ए०-32014/3/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को अधीक्षक (त० सं०) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-14000-द० री०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के समवेत त्रिमासिक तारीख से प्रारम्भ में छह मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आवेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	अधीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्ति की तारीख
1	2	3
1. सं० ए० 32014/1/79 प्रशा०-II, दिनांक 10-1-80	1. श्री एस० पी० बंसल, अ० अ० (त० सं०) 1.	12-5-80 पूर्वाह्न

1-196GI/80

1	2	3	4
2. एफ० 2/34/69-स्था० (क) (I), दिनांक 19-2-1970	2. श्री बी० आर० गुप्ता, अ० अ० (त० सं०) 1.		
3. सं० ए० 32016/2/70-प्रशा० (I), दिनांक 24-12-70 1.	3. श्री एस० सी० मस्ताना, अ० अ० (त० सं०) 1.		
4. सं० ए० 32016/8/72-प्रशा०-II, दिनांक 7-4-73 1.	4. श्री एम० ए० म० शर्मा, सहायक अधीक्षक (हाल)		12-5-80 (पूर्वाह्न)
5. सं० ए० 32016/4/75-प्रशा०-II, दिनांक 25-8-75 1.	5. श्री जमदीश लाल सहायक अधीक्षक (हाल)		
	6. श्रीमती डी० जे० ललवाना सहायक अधीक्षक (हाल)		
6. सं० ए० 12019/9/77-प्रशा०-II, दिनांक 10-4-78 1.	7. श्रीमती राज सेठी 1. सहायक अधीक्षक (हाल) 1.		

(9059)

1	2	3	4
		8. कुमारी सुदर्शन हांडा, सहायक अधीक्षक (हाल)।	
7. सं० ए० 12019/9/ 77-प्रशा०-II, दिनांक 17-7-78।		9. श्री आर० आर० भारद्वाज, सहायक (अपराह्न) अधीक्षक (हाल)	14-5-80

2. उपर्युक्त अधिकारी नोट कर लें कि अधीक्षक (त० सं०) के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

3. हाशिये में निर्दिष्ट अधिसूचनाओं/आदेशों को 12-5-1980 से अधिक्रमण समझा जाए।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

(विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 जुलाई 1980

फा० सं० ए०-11/48/74--निम्नलिखित प्रवर्तन अधि. व. र. अपने भार ग्रहण करने की तारीख से और अगले आदेशों तक मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए जाते हैं। तैनाती के स्थान और पदभार ग्रहण करने की तारीख उनके नाम के सामने दी गई है।

क्र० सं० नाम तैनाती कारस्थान भार ग्रहण करने की तारीख

1. श्री बलकार सिंह	जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय	28-4-80 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० जीवारत्तम्	मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय	7-5-80 (पूर्वाह्न)
3. श्री के० वी० लेले	बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय	21-4-80 (अपराह्न)

एस० डी० मनचन्दा
निदेशक

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० 1-23/72-सी० एफ० एस० एल०/5954--न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, मधुबन हरियाणा में सहायक निदेशक (भौतिकी) नियुक्त होने के परिणामस्वरूप डा० आर० पी० सिंह को 14 जुलाई, 1980 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण

ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिकी) के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

एस० के० सा,
उप-निदेशक (प्र०)
सी० बी० आई०

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० ओ० दो० 268/69-स्थापना--श्री वी० कृष्णा स्वामी ने उनकी सेवा वृद्धि की अवधि समाप्त होने के फल-स्वरूप, कमाण्डेंट 5 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-6-80 के अपराह्न से त्याग दिया तथा वह सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

के० आर० के० प्रसाद,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 11/8/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री डी० टी० देशमुख को, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री देशमुख का मुख्यालय अमरावती में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री डी० डी० दाते को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 30 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दाते का मुख्यालय नागपुर में होगा।

सं० 11/8/80-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री आर० डी० खरोसेकर, को, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 2 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री खरोसेकर का मुख्यालय औरंगाबाद में होगा।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री तारकेन्द्र वैष्णव को, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 17 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वैष्णव का मुख्यालय नैनीताल में होगा।

सं० 11/110/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० ए० साठे को गुजरात, अहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 17 जून, 1980 के अपराह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री साठे का मुख्यालय सूरत में होगा।

दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० 11/1/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० कृष्णमूर्ति को केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कृष्णमूर्ति का मुख्यालय क्विलोन में होगा।

सं० 11/1/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री पी० गोपाल कृष्णन नायर को केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नायर का मुख्यालय मुक्कुपुजा में होगा।

सं० 11/31/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० वी० सत्यनारायण राव को आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राव का मुख्यालय विजयनगरम में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री ए० एन० तिवाड़ी को मध्य प्रदेश, भोपाल में, जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तिवाड़ी का मुख्यालय रीवा में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री बलबीर सिंह को, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह का मुख्यालय इन्दौर में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री यू० डी० मिश्र को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में, तारीख 11 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

श्री मिश्र का मुख्यालय बिलासपुर में होगा।

सं० 11/123/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० एन० तिवाड़ी को मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 26 जून, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री तिवाड़ी का मुख्यालय भोपाल में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार गुजरात अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० स्था० (ए०) /जी० ओ०/730—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने बर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आवेदन मिलन तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपया की है।

1. श्री टी० आर० वैकंटाचारी	28-6-80	पूर्वाह्न
2. श्री टी० जे० पटेल	28-6-80	पूर्वाह्न
3. श्री एस० ओ० शाह	28-6-80	पूर्वाह्न
4. श्री जे० एम० राणा	28-6-80	पूर्वाह्न
5. श्री एस० जे० पंड्या	28-6-80	उपचारात्
6. श्री एस० आर० येरी	28-6-80	पूर्वाह्न

उपर्युक्त पत्रोपस्थितियां तथैव आधार पर 198 के विशेष दीवानी सिविल आवेदनपत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अंतिम आदेशों की प्राप्ति की गती पर की जाती है।

अ० कृष्णराव
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० प्रशा० I/ सामान्य / 31/खण्ड-III/सी/(1)/4—
महालेखाकार महाराष्ट्र (1) श्री आर० पी० दातार, अनुभाग
अधिकारी (आडीट और अकाउंट्स) को दिनांक 11 जुलाई
1980 पूर्वाह्न से अपने कार्यालय में आगे आदेश होने तक
लेखा अधिकारी के पद पर स्थानीय स्तर पर नियुक्त करती है।

एस० आर० मुखर्जी
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा और
तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग के संख्या-बल पर नहीं रहेंगे।

सं० 18388-प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने
पर, श्री डी० आर० बीहरो, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को
दिनांक 31-1-1981 (अपसीट) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत
कर दिया जाएगा और तदनुसार वे रक्षा लेखा विभाग के संख्या-
बल पर नहीं रहेंगे।

आर० एल० बरेशी
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक
(प्रशा० I)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 18383-प्रशा०-I—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने
पर, श्री पी० एल० ग्रहणी, आई० डी० ए० एस० रक्षा लेखा
सहायक महानियंत्रक को दिनांक 3-1-1981 (अपराह्न)

रक्षा मंत्रालय

आइनेन्स फेक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 12 जून 1980

सं० 3/80/ए०/एम०—राष्ट्रपति महोदय, डा० बिष्णु
दास मंडल को सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद पर, गन
एण्ड शीप फेक्टरी, कोशीपुर में दिनांक 14-2-80
से आगे की आदेश न होने तक नियुक्त करती है।

दिनांक 12 जून 1980

सं० 4/80/ए०/एस०—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों/सहायक चिकित्सा अधिकारियों की सेवा
बर्खास्त का स्थगनपत्र मंजूर करते हैं। तदनुसार प्रत्येक के सामने लिखी गई तारीख से आइनेन्स फेक्टरियां संगठन की तफरी से
उनका नाम निर्यात दिया जाता है।

क्रम संख्या	नाम एवं पद	तैनाती की फेक्टरी का नाम	दिनांक	नियुक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(1)	डा० अमिल कुमार आटिया, सहायक चिकित्सा अधि- कारी	आ० फे० कानपुर	13-3-78	त्यागपत्र दिया
(2)	डा० आर० एस० कृष्णामूर्ति, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अभ्युक्तिशन फेक्टरी किरकी।	4-4-78	वही
(3)	डा० एम० आर० एल० कुमार सहायक, चिकित्सा अधिकारी	क्लैरिंग फेक्टरी अमरावती।	2-5-78	वही
(4)	डा० ए० रामकृष्ण राव, कनिष्ठ चिकित्सा अधि- कारी	आइनेन्स फेक्टरी तिरुचिरापली।	26-5-78	वही
(5)	डा० मूलक अभिन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	वैदिकल फेक्टरी जबलपुर।	4-6-78	वही
(6)	डा० एस० के० महापाल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आइनेन्स फेक्टरी भण्डारा।	8-6-78	वही
(7)	डा० (कुमारी) सावित्री शरिया, सहायक चिकित्सा अधिकारी।	आइनेन्स फेक्टरी भण्डारा।	10-7-78	वही
(8)	डा० एन० के० सिंगला, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आ० फे० मुरादनगर	17-7-78	बर्खास्त किया
(9)	डा० ओ० पी० निगम, सहायक चिकित्सा अधि- कारी	ओ० पी० एफ० कानपुर।	19-7-78	त्याग पत्र दिया

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(10)	डा० वी० जे० जोशी सहायक चिकित्सा अधिकारी	कार्डिईट फैक्टरी अरुवान-काण्डू ।	22-2-78	त्यागपत्र दिया
(11)	डा० पी० वी० आर० रेडडी सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर	26-7-78	—वही—
(12)	डा० एस० सा० नमकर सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड ग्रेन फैक्टरी काशीपुर ।	2-8-78	—वही—
(13)	डा० बी० एम० चन्द्रशेखरन् सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर ।	4-8-78	—वही—
(14)	डा० बा० के० जैन, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	स्माल आर्म्स फैक्टरी कानपुर ।	14-8-78	—वही—
(15)	डा० बिजय सक्सेना कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	अभ्युनिशन फैक्टरी किरकी ।	16-8-78	—वही—
(16)	डा० एल० आर० मूर्ति, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी अम्बर नाथ	26-8-78	बर्खास्त किया
(17)	डा० आर० बी० कौशल, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी अम्बरनाथ ।	31-8-78	त्यागपत्र दिया
(18)	डा० आर० के० कोदल, सहायक मर्जन, ग्रेड-1	हैवी वेहिकल फैक्टरी अवादी ।	31-8-78	—वही—
(19)	डा० आर० एम० गोयल, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी कानपुर	4-9-78	—वही—
(20)	डा० डा० श्रीनिवासन, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी बरनगाँव ।	13-9-78	—वही—
(21)	डा० ए० के० मिश्र, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर ।	24-9-78	—वही—
(22)	डा० (श्रीमती) ए० एस० जयकुमार सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर ।	17-10-78	—वही—
(23)	डा० पी० बी० चन्द्रन सहायक चिकित्सा अधिकारी	अभ्युनिशन फैक्टरी किरकी ।	1-11-78	—वही—
(24)	डा० (श्रीमती) बीणा गोयल, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी कानपुर ।	16-8-78	—वही—
(25)	डा० श्रीमती आई० रुकमिनी सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी देहरादून	15-1-79	—वही—
(26)	डा० आर० के० मल्होत्रा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी मुरादनगर ।	23-1-79	—वही—
(27)	डा० आर० एस० कुलकर्णी, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी सरिया ।	15-2-79	—वही—
(28)	डा० (श्रीमती) एस० एस० बगदिया, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी भूसावल ।	26-3-79	—वही—
(29)	डा० एस० एन० दूबे, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी भण्डारा ।	18-4-79	बर्खास्त किया
(30)	डा० (श्रीमती) आर० गौरी, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	क्लादिबर फैक्टरी आवादी ।	20-4-79	त्यागपत्र दिया
(31)	डा० बलराम शर्मा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर ।	27-4-79	—वही—
(32)	डा० बी० के० सक्सेना, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स उपस्कर फैक्टरी कानपुर ।	10-5-79	—वही—
(33)	डा० एस० जी० वशिष्ठ, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डनेन्स फैक्टरी सम्बासारी ।	30-4-79	—वही—

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
(34)	डा० एच० एस० चन्दले, सहायक चिकित्सा अधिकारी	क्लोजिडग फैक्टरी शहाजहापुर।	1-1-79	त्याग पत्र दिया
(35)	डा० एन० बी० श्रीधर, सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी जबलपुर।	16-8-79	—वही—
(36)	डा० (कुमारी) गीता मोहनती, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड शील फैक्टरी काशीपुर।	18-8-79	—वही—
(37)	डा० टी० के० वेनुगोपाल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आर्डेनेन्स फैक्टरी अम्बरनाथ।	22-8-79	—वही—
(38)	डा० बी० के० पांडा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	राइफल फैक्टरी ईशापुर।	24-8-79	—वही—
(39)	डा० सुब्रत चक्रवर्ती, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	राइफल फैक्टरी ईशापुर।	31-8-79	—वही—
(40)	डा० पी० बी० प्रकाश राव, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरिज फैक्टरी जबलपुर।	31-8-79	—वही—
(41)	डा० एस० आर० रेड्डी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अभ्युनिशन फैक्टरी किरकी।	15-10-79	—वही—
(42)	डा० ए० के० श्रीवास्तव, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डेनेन्स फैक्टरी मुरावनगर।	2-11-79	बरखास्त किया
(43)	डा० एम० एस० दाऊद साहेब, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरिज फैक्टरी जबलपुर।	19-11-79	त्यागपत्र दिया
(44)	डा० एस० आर० कुलकर्णी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	30-11-79	—वही—
(45)	डा० (श्रीमती) एस० बसु, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डेनेन्स फैक्टरी बेहराइन।	10-12-79	—वही—
(46)	डा० (कुमारी) के० के० बंगा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डेनेन्स केबल फैक्टरी चन्डीगढ़।	4-1-80	बरखास्त किया
(47)	डा० एम० के० बर्मा, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	आर्डेनेन्स फैक्टरी भुसावल।	12-12-79	त्यागपत्र दिया।

श्री० पी० बहल
अपर महानिदेशक, आर्डेनेन्स फैक्टरियां
सदस्य (कार्मिक)

कलकत्ता, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 50/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों का महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड)। डी० [डी० जी० ओ० एफ० स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, पुष्टी करते हैं:

- (1) श्री एस० एस० बसु, स्थानापन्न डी०डी० जी० ओ० एफ०/स्तर-1 (अवकाश प्राप्त) . 4 जनवरी, 1976
- (2) श्री शिव प्रसाद, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड) स्तर-1 (अवकाश प्राप्त) . 8 अक्टूबर, 1977

- (3) श्री पी० एल० जालोटा, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड)/स्तर-1 . 8 अक्टूबर 1977
- (4) श्री आर० आर० कांचू, स्थानापन्न डी० डी० जी० ओ० एफ०/स्तर-1 . 8 अक्टूबर, 1977
- (5) श्री आर० स्वामीनाथन, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड) स्तर-II (अवकाश प्राप्त) . 8 अक्टूबर, 1977
- (6) श्री जे० बी० सक्सेना, स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड) स्तर-1 . 13 जून, 1979

(7) श्री के० नारायण, स्थानापन्न

महाप्रबन्धक (सैलैक्शन ग्रेड)

स्तर-II

31 जुलाई, 1979।

बी० के० मैहता

सहायक महानिदेशक, आईनैन्स फेक्टरियां

दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 12(166)/61-प्रशासन (राज०) खंड-3—राष्ट्रपति, जं, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के श्री के० एम० दिवोहर महायक निदेशक ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण) को दिनांक 30 अप्रैल, 1977 (अपराह्न) से एफ० आर० 56(के) के अनुसार स्वेच्छिक आधार पर सरकार सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० 12/760/62-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जम्मू के श्री गुरुधामी, महायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) को दिनांक 30 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, आगरा में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 12(645) 7. ए०-प्रशासन (राजपत्रित)—योजना आयोग, नई दिल्ली में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर श्री के० बी० विष्वनाथन ने दिनांक 1 जुलाई, 1980 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12(752)/72-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय निवेश केन्द्र, नई दिल्ली में तकनीकी परामर्शदाता के रूप में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति हो जाने पर श्री एस० आर० मिह ने दिनांक 31 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के उप निदेशक (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/14/73-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के श्री जी० पी० पटोदिया, महायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) को दिनांक 30 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(425)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री बी० एम० मलिक, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (कांच/मृत्तिका) को दिनांक 21 अप्रैल, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में महायक निदेशक, ग्रेड-2 (कांच/मृत्तिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(455)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्री लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण व सांख्यिकी प्रभाग) श्री बी० बी० दास को दिनांक 22 अप्रैल, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

[आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1081/75-प्रशा० (राज०)/4632—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय में श्री कार्तिक चरण मल्ला नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 30 जून, 1980 के अपराह्न से उसी कार्यालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1066/75-प्रशासन (राज०) 4638—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री एम० जी० उपाध्याय ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई, ने 30-11-79 के दोपहर बाद से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० सी० भटनागर

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
नूतन मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० ए० 19018/489/80-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी, भारतीय अर्थ सेवा के स्थाई ग्रेड-4 अधिकारी श्री वीरेन्द्र नाथ को दिनांक अप्रैल, 1980 से अगले आदेशों तक के लिए विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए०-19018/487/80-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 अधिकारी तथा उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में अवर सचिव श्री रघुवंश बहादुर को दिनांक 27 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक (प्रशासन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० ए०-19018/13/73-प्रणामन (राजपत्रित)--- राष्ट्र-पतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) श्री कृष्ण कुमार को दिनांक 30 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान लुधियाना में तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेंद्र पाण्डे
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रणामन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० प्र 6/247/230---स्थायी सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातुकर्म शाखा के ग्रेड-III) ग्रुप "ए" और निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) जमशेदपुर के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातुकर्म शाखा के ग्रेड II) ग्रुप "ए" श्री एम० डी० बेबीलोनी निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-5-1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए०-17011/172/80-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति निपटान ने उप निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री के० एन० श्रीवास्तव को दिनांक 30-6-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० प्र० 17011/173/80-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उप निदेशक, निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्री एस० के० जैन को दिनांक 30-6-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं० ए०-17011/179/80-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री ए० के० चक्रवर्ती को दिनांक 23-6-1980 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/181/80-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक कानपुर के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री आर० पी० सिंह को

दिनांक 28-6-80 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक वर्णपुर निरीक्षणालय (धातु) के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० प्र० 1/(462)---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड 1) भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड (III) श्री एस० एल० सखूजा को दिनांक 9-7-80 के पूर्वाह्न से उसी निदेशालय, बम्बई में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० एल० सखूजा को उनकी उप निदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नति हो जाने से उन्हें ग्रेड में वरीयता अथवा नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा।

दिनांक 26 जुलाई 1980

सं० ए०-17011/166/79-प्र०-6---राष्ट्रपति, निरीक्षण नियंत्रणालय (भारी वाहन), अखादी मद्रास के सहायक फोरमैन श्री पी० माधवन को दिनांक 6-6-1980 के अपराह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण/निरी० अधिकारी (इंजी) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

सं० 29/10/76-एस दो (वाल्सूम-दो)---महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित अधिकारियों को फार्म रेडियो अधिकारी आकाशवाणी के संवर्ग में 1-1-79 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं० नाम, वर्तमान पदनाम और केन्द्र/कार्यालय जहाँ पुष्टि तैनाती का स्थान होने पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया है

सर्वश्री

1. एस० पी० सिंह, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, लखनऊ . आकाशवाणी, लखनऊ
2. के० बी० सुब्बाराव, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, हैदराबाद आकाशवाणी, हैदराबाद

1	2	3
3. पी० के० दे, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, कलकत्ता	आकाशवाणी, कलकत्ता	
4. टी० पी० थांडावारायण, फा० रे० अ०, आकाशवाणी मद्रास	आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ली	
5. एस० एस० पी० के, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, नागपुर	आकाशवाणी, नागपुर	
6. आर० के० बोहरा, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, जालंधर	आकाशवाणी, जालंधर	
7. एम० टी० जायना, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, बैंगलौर	आकाशवाणी, बैंगलौर	
8. आर० बी० देशपांडे फा० रे० अ० आकाशवाणी, पुणे	आकाशवाणी पुणे।	
9. बाई० हनुमन्ता राव, फा० रे० अ०, आकाशवाणी विजयवाड़ा	आकाशवाणी, विजयवाड़ा	
10. एच० एस० श्रीवास्तव, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, रामपुर	आकाशवाणी, रामपुर	
11. ए० एन० तिवारी, फा० रे० अ०, आकाशवाणी पटना	आकाशवाणी, पटना	
12. पी० एस० सर्वान्न, फा० रे० अ०, आकाशवाणी कोयम्बतूर	आकाशवाणी, कोयम्बतूर	
13. आर० जे० पाण्ड्या, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, राजकोट	आकाशवाणी, राजकोट	
14. ए० एन० साहू, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, साम्बलपुर	आकाशवाणी, साम्बलपुर	
15. जी० एल० भगत, फा० रे० अ०, रेडियो कश्मीर, जम्मू	आकाशवाणी, रायपुर	
16. रती राम, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, नई दिल्ली	आकाशवाणी, नई दिल्ली	
17. बी० एल० श्रीवास्तव, फा० रे० अ०, आकाशवाणी शिमला	आकाशवाणी, ग्वालियर	
18. एच० सी० गुप्ता, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, जयपुर	आकाशवाणी, जयपुर	
19. आर० सी० सत्पति, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, जयपुर	आकाशवाणी परभणी	
20. आर० डी० राम, फा० रे० अ० आकाशवाणी, वाराणसी	आकाशवाणी, वाराणसी	
21. आर० सी० मिश्र, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, कटक	आकाशवाणी, कटक	
22. एस० के० भान, फा० रे० अ०, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर	रेडियो कश्मीर, श्रीनगर	

2-196GI/80

2-196GI/80

1	2	3
23. के० के० कुरियान, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, त्रिचूर	आकाशवाणी, पालीकट	
24. डी० आर० हीरेमथ, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, धारवाड़ा	आकाशवाणी, धारवाड़ा	
25. भूप सिंह, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, रांची	आकाशवाणी, रांची	
26. ए० ए० अन्सारी, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, इन्दौर	आकाशवाणी, उदयपुर	
27. एन० सी० साकिया, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, गौहाटी	आकाशवाणी, इम्फाल	
28. ए० के० चक्रवर्ती, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, अग्रतला	आकाशवाणी, कूड़ापा	
29. पी० वी० कुरील, फा० रे० अ०, परभणी	आकाशवाणी गुलबर्गा	
30. डी० पी० देव जर्मेन, फा० रे० अ०, आकाशवाणी, इम्फाल	आकाशवाणी, भागलपुर	
31. सूर्य प्रसाद, फा० रे० अ०, आ० वा० ग्वालियर	रेडियो कश्मीर, जम्मू	
32. कु० ए० एन० परिमला, फा० रे० आ० गृह (महिलाएं) आकाशवाणी महानिदेशालय, नईदिल्ली ।	आकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली ।	

2. उनकी पुष्टि इस शर्त पर की जाती है कि सार्वजनिक निकाय के अधीन कार्य करने के लिए उनका किसी भी समय स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसा स्थानान्तरण होने पर उन पर भी वही सेवा शर्तें लागू होंगी जो कि उस निकाय के कर्मचारियों पर लागू होंगी।

दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 29/8/80-एस०-दो-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० बी० कुरील, कृषि रेडियो संवाददाता, आकाशवाणी रामपुर को 30-6-80 (पूर्वाह्न) से कृषि रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, रामपुर के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 20 जून 1980

सं० ए०-12025/5/79-डी०-—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-सहायक महानिदेशक (भण्डार) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री रणधीर मंडल ने 12 मई, 1980 अपराह्न से केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (पूर्वी

खण्ड), कल्पिता, औषध उप नियंत्रक (भारत) के कार्यालय से औषध निरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

आर० बालसुब्रह्मण्यन,
औषध उप नियंत्रक (भारत)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० ए० 35021/1/80-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री बी० शंकर नारायणन् को 10 जून, 1980 अपराह्न से आगामी आदेशों तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 35021/1/80-प्रशासन-1—मूल विभाग में अर्थात् लेखा परीक्षण, केन्द्रीय राजस्व निदेशालय, नई दिल्ली में अपना परावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री के० सी० शर्मा ने 10 जून, 1980 अपराह्न को सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली से लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० 17-17/74-प्रशासन (भाग 2)—भारत का महा-पंजीयक के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० आर० महता ने 16, जून, 1980 के पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन प्रदर्शन केन्द्र), के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/23/79-एन० एम० ई० पी०/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री एच० विश्वास को 31 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर तैनात किया है।

सं० ए० 12026/5/80-रा० म० उ० का०/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने लेखा परीक्षा निदेशालय, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी श्री विमल कुमार वर्मा को 5 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह,
उप-निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० ए० 19023/44/78-प्र०-III—इस निदेशालय के अधीन हैदराबाद में उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के

पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री दिमल व. मार घोंप ने तारीख 2-7-80 (अपराह्न) से फरीदाबाद में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/47/78-प्र०-III—इस निदेशालय के अधीन सूरत में उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री आनन्द राव पाडुरंगजी टिचकुले ने तारीख 30-6-80 (अपराह्न) से बम्बई में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/18/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्री राम गोपाल सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में तारीख 2-7-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृपि विपणन सलाहकार
भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 24 जून 1980

सं० पी० ए०/79(11)/78-भ०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री प्रमोद रामचंद्र फडनवीस, सहायक, ऊर्जा विभाग को संस्थानापन्न सेवा के लिये भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्न मई 30, 1980 से अगले आदेशों तक सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड में (र० 650—960) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1980

सं० भा० प० अ० के०/चि०/जी०/66—सक्ष्य अधिकारी डा० (श्रीमती) पूर्णिमा कृष्णामूर्ति को इस अनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा विभाग में पूर्ण अस्थायी रूप से पूर्वाह्न जून 12, 1980 से अपराह्न जुलाई 12, 1980 तक आवीस चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० पी० ए०/43(1)आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री परामेल ऐण्डुर, जाब, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी के पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 1 जुलाई 1980 से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जुलाई 1980

सं० पी० ए०/79(11)/79 आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, जम्मू तथा कश्मीर के महालेखाकार के

कार्यालय के अनुभाग अधिकारी, श्री सोमनाथ वातल को, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर, रुपये 650-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में दिनांक 15 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से 14 सितम्बर, 1980 तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दीक्षित,
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 5/11/80/स्था०-II/3212—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बी० के० मूर्ती, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी को, स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु दिनांक 3-5-1980 पूर्वाह्न से 5-6-1980 अपराह्न तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 5/1/80 स्था०-II/3293—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
			से	तक
1.	श्री एल० बी० गावडे, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	1-4-80	30-5-80 (अपराह्न)
2.	श्री एस० आर० पिंगे, मलै, ग्रे० लि०	सहायक कार्मिक अधिकारी	2-4-80	30-5-80 (अपराह्न)
3.	श्री बी० पी० कुलकर्णी सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	17-4-80	23-5-80 (अपराह्न)
4.	श्री बी० पी० भागुण्डे सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	21-4-80	7-6-80 (अपराह्न)

दिनांक 14 जुलाई 1980

सं० 5/1/80/स्था०-II/3431—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
			से	तक
1.	श्री पी० टी० बोरकर, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	28-4-80	21-6-80 (अपराह्न)
2.	श्री यू० आर० मेनन, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	12-5-80	21-6-80 (अपराह्न)
3.	श्री डी० एस० इंगले, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	5-5-80	27-6-80 (अपराह्न)
4.	श्री डी० के० मंगांवकर, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	28-4-80	7-6-80 (अपराह्न)

दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० पी० 489/स्थापना II/3452—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सुरक्षा अधिकारी, श्री प्रभाकर रामचन्द्र पराङ्कर, दिनांक 26-8-1977 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापनसंख्या 25013/7/77-स्थापना(अ) के प्रावधानों के अधीन, स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त होकर, 30 जून 1980 अपराह्न को अपने पद भार से मुक्त हो गए हैं।

(कु०) एच० बी० विजयकर,
उपस्थापना अधिकारी

स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/अभियंता ग्रेड "एस० बी०" को उनका मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना से विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग के गुण सर्वेक्षण (क्वालिटी सर्विलन्स) वर्ग, हैदराबाद, में स्थानान्तरण हो जाने से, निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग, श्री सत्यनारायण को उसी पद पर जून 21, 1980 से आगामी आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

ब० वि० थत्ते,
प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० पी० पी० ई० डी०/3/(288)/79-प्रशासन/10047—
श्री श्री० सत्यनारायण, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' एवं

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/10455—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री जी० डी० राठौर को, जोकि स्थायी उच्च श्रेणी निधिक तथा स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी हैं, उसी निदेशालय में

19 जून, 1980 से सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 जुलाई, 1980

सं० डी० पी० एम०/2/1(25)/77-प्रशासन/10617—श्री वसंत बलवंत व्यापारी, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखा अधिकारी को उनका तबादला भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र से होने पर, क्रय और भंडार निदेशालय में 12 जून, 1979 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक के लिए उसी हैसियत में नियुक्त किया गया है।

सं० डी० पी० एस०/4/1(5)/77-प्रशा०/10625—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी श्री अरविंद पांडा को 25 जनवरी, 1980 से उसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

के० पी० जोषफ
प्रशामन अधिकारी

मुम्बई-400001, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० डी० पी० एस०/23/4/19-स्था०/11530—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने उन क्रय सहायकों में से प्रत्येक को, जिनके नाम नीचे दिए गए हैं, उसके नाम के सामने लिखी अवधि के लिए उसी निदेशालय में रु०-650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-व० रो० 40-1200 के वेतन मान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	अवधि	
		से	तक
1.	श्री एस० जी० जमशेदेकर	28-4-1980	21-6-1980
2.	श्री वी० जी० जोबनपुर	29-4-1980	13-6-1980
3.	श्री के० एल० अहलुवालिया	5-5-1980	16-6-1980

सी० बी० गोपालकृष्णन
सहायक कार्मिक अधिकारी,

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 18 जुलाई 1980

सं० ना० ई० सं० : का० प्र० भ० : 0704/5082—अधिसूचना सं० का० प्र० भ०/0704/2871, दिनांक 30-5-1980 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी औद्योगिक उच्च श्रेणी लिपिक श्री ए० चैन्नकेशव राव को दिनांक 27-6-1980 से 3-7-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर नियुक्ति को आगे बढ़ा दिया है। ऐसा सहायक कार्मिकाधिकारी श्री के० राम चन्द्रन द्वारा अवकाश-वृद्धि के कारण किया गया है।

प० श्री रा० मूर्ति
प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलरावकम, दिनांक 10 जुलाई 1980

सं० ए० 32023/1/77/2-8416—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल श्री के० एम० वेलायुधन को 5 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

एस० पद्मनाभन
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० ए० 31013/2/78-ई०-I—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उप महानिदेशक के पद पर उनके नामों के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

- | | |
|----------------------------|------------|
| 1. श्री जी० आर० कठपालिया | 3-5-1-1977 |
| 2. श्री पी० के० रामचन्द्रन | 23-2-1980 |

चित्तरंजन कुमार वत्स
सहायक निदेशक, प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० ए० 12025/3/78-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री के० वेंकट कृष्णन् को नागर विमानन विभाग में दिनांक 11 जून, 1980 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में बिद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

श्री के० वेंकट कृष्णन् को क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जीहरो,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए० 32013/9/79-ई० सी०—इस विभाग के दिनांक 17-1-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/4/78-ई० सी० तथा दिनांक 13-3-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/9/79-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित चार सहायक संचार अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को 29-2-80 बाद और 6 माह के लिए अथवा

ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर जारी रखने की मंजूरी दी है।

क्रम संख्या	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री एन० मुनिअन्वे	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	
2. श्री टी० सी० एम० मृमद	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	
3. श्री एस० एल० मेहरा	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली।	
4. श्री पी० के० दत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।	

सं० ए० 32013/13/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 14-4-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/11/79 ई० सी० और दिनांक 3-5-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/11/79-ई० सं० के क्रम में राष्ट्रपति निम्नलिखित तीन तकनीकी अधिकारियों को, जो फ़िल्हाल तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 24-4-80 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया गया है:—

क्रम संख्या	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री एम० इरुलप्पन	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।	
2. श्री विश्वनाथ	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।	
3. श्री आर० सम्पत कुमारन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।	

सं० ए०-38013/1/80-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-80 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम संख्या	नाम और पदनाम	स्टेशन
सर्वश्री		
1. एस० तडकसे	सहायक तकनीकी वैमानिक संचार अधिकारी।	बम्बई।
2. पी० हरी	सहायक संचार अधि-कारी।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
3. के० सी० धामस	सहायक संचार अधिकारी।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

आर० एन० दास
सहायक निदेशक, प्रशासन,
कूले महानिदेशक नागर विमानन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलय

कानपुर, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० 3/80—अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग “ख” में निम्नलिखित अधिकारियों ने अधिवर्षता की आयु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये:—

क्रम सं०	सेवानिवृत्त के समय अधिकारी का नाम व पद	दिनांक
सर्वश्री (अपराह्न)		
1. एस० जी० भटनागर	अधीक्षक वर्ग “ख” के० उ० शु० कानपुर प्रखंड-I।	31-10-79
2. एस० एस० सिन्हा	अधीक्षक वर्ग “ख” मुख्यालय कानपुर।	31-10-79
3. के० एन० गौतम	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” मुख्यालय कानपुर।	30-11-79
4. आर० पी० राय	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” मुख्यालय कानपुर।	29-2-80
5. आर० एस० सक्सेना	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” असीगढ़।	29-2-80
6. आर० एस० सेबी	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” कानपुर प्रखंड-II।	31-3-80
7. वी० डी० मलहोत्रा	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” कानपुर प्रखंड-II।	30-4-80
8. एस० के० सिन्हा	अधीक्षक के० उ० शु० वर्ग “ख” फरखाबाद।	31-5-80

जे० रामकृष्णन्, समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर

नागपुर, दिनांक 26 जुलाई 1980

सं० 1/80—इस समाहर्तक्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर के प्रशासनिक अधिकारी, श्री बसराज विभाण ने सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर वे दिनांक 30 जून, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से मुक्त हो गये हैं।

के० संकरराजन, समाहर्ता

बंगलौर, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 12/80—श्री सय्यद इमाम, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समूह “ब”, अपने बार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-6-1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

रवीन्द्रनाथ शुक्ल, आई० आर० एस०
समाहर्ता

मध्य रेलवे

बम्बई वी० टी०, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/II/एल०—निम्नलिखित सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी-II) को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो की सेवा में की तारीख	स्थायीकरण
श्री एम० वी० पुरी बम्बई वी० टी०	22-2-1980	ए० के० चक्रवर्ती, महाप्रबन्धक

चित्तरंजन रेल कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/8 (प्रशासन)—निम्नलिखित द्वितीय श्रेणी अधिकारियों, जो सम्प्रति प्रवर बेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त हैं तथा इस प्रशासन में तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, उनके नाम के सामने अंकित तिथि से चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना के कार्मिक विभाग के संवर्ग में द्वितीय श्रेणी बेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है :—

अधिकारियों का नाम	किस अवधि से स्थायी किया गया	मन्तव्य
1. श्री जे० के० कयराल	29-5-79 (पूर्वाह्न)	31-12-79 से सेवा निवृत्त हुए
2. श्री एस० लक्ष्मनन	1-1-80 (पूर्वाह्न)	श्री कयराल के सेवा-निवृत्ति के कारण
		के० रामन, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमला एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० जी० पी०/टी०एस०/428/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कमला एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स आसाम एकुमुलेटर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० जी० पी०/1091/560(5)/1475—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स आसाम एकुमुलेटर

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० के० भट्टाचार्जी
कम्पनी का रजिस्ट्रार

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/80—श्री निरंजन दास, जो आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक हैं, को आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में, श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली, जिन्हें अवकाश की स्वीकृति प्रदान की गयी है, के स्थान पर तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 7 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्त नितान्त अस्थायी ढंग से साधारण प्रबंध के रूप में आय-कर अपील अधिकरण में कार्यरत दूसरे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना की गयी है।

दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/80—श्री निरंजन दास, जो आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक हैं और जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 7 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली की जगह अवकाश-रिक्ति में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 19-7-1980 की अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/80 को अब श्री सतपाल सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के देहान्त हो जाने के कारण उनकी जगह पर, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 21-7-1980 से 16-8-1980 या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्तत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

बी० बी० पालेटर,
अध्यक्ष

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए०8-3/अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या एस०-25/51-ए है तथा जो वरुणाग्रिज,
वाराणसी में भारतीय स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 14-12-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री वीरेन्द्र ठक्करद्वारा भुवनेश्वर सिंह
(अन्तरक)
- (2) श्री अजय सिंह, राकेश बहादुर सिंह, विनय,
बहादुरसिंह, अभयबहादुर सिंह, श्रीमती गोभावती
सिंह,
(अन्तरिती)
- (3) शिक्षानिदेशक उ० प्र० पंचमंडल वाराणसी,
किरायेदार।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन व इमारत मौसूमा "कैसर कौंसिल जो सेटिलमेंट-
प्लॉट नम्बरी 4/1 व 4/2 मौजा आराजी साहन परगना
देहात अमानत मोहल्ला वरुणाग्रिज जिला वाराणसी पर बाँके
है जिसकी साबिक म्युनिसिपल नम्बर एस० 20/51-ए है
उसका एक जुज मय जमीन व इमारत व वह सारी सम्पत्ति
जो फार्म 37-जी 11868 व सेलडीज में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक
14-12-1979 को हो चुका है।

अमरसिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

तारीख : 26-7-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निदेश सं० 1276-ए/मेरठ/79-80—अतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 82 है तथा जो हिल स्टील मेरठ कैंट
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 8-11-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तिलकराम बतरा पुत्र लाला जान चन्द्र
बतरा तथा श्री बृजमोहन बतरा पुत्र श्री तिलक
राम बतरा, निवासी 171 आबूलने मेरठ कैंट।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रासमा ए० पटेल पत्नी श्री ए० के०
एन० पटेल, निवासी बुलकटेज सून्सी कुई नवा सारी
जिला बुलसर (गुजरात)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नम्बर 82 सरवे नम्बर 324 का आधा भाग
हिल स्टील मेरठ कैंट में स्थित है तथा जो 45000/-
रुपये का मोजा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 25 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० ए० 5/कल्याण/दिसम्बर 1979—यतः मुझे, ए० सी० चन्द्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 90 और आली नं० 55 है तथा जो चिकणधर कल्याण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

3—196GI/80

(1) श्री सीताराम आनंदराव पी, जे० एन० बिल्डिंग, स्टेशन रोड, मोहम्मद अली चौक, कल्याण, जिला ठाणा।

(अन्तरक)

(2) श्री चैयरमैन—श्री अणोक मुरलीधर शानबाग दी शारदा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० कल्याण, ब्लॉक नं० 10, रामबाग, लेन नं० 5, तहसील कल्याण, जिला ठाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्तन्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 90 (हि० नं० 2/1) और आली नं० 55, मौजे चिकणधर, तहसील कल्याण, कल्याण नगरपालिका एरिया में स्थित है। खुली जमीन का क्षेत्रफल 919.2 चौ० मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1022, जो 27-12-79 को कल्याण दुय्यम निबंधक के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-7-1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री हरिन्दर काउर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्री गुरदेव सिंह

(2) श्री गुरमिल सिंह

(3) श्री गुरवयाल सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज, कलकत्ता]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1980

निदेश सं० 722/अर्जन प्रार०-III/80-81/कलकत्ता—

यतः मुझे आई० बी० एस० जुनेजा,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 125ए है तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

125 ए मोतीलाल नेहरू रोड कलकत्ता में अवस्थित 7 कट्टा 4 छटांक जमीन पर स्ट्राकचर जो 8-11-79 तारीख में सब रजिस्ट्रार अलीपुर के दफ्तर में डीड नं० आई-5987 अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 24-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1980

निदेश सं० 723/अर्जन रेंज-III/80-81/कलकत्ता—

यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 125ए है तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या द्रव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिन्दर कासर

(अन्तरक)

(2) (1) श्री महेन्द्र सिंह,

(2) श्री सुन्दर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी द्रव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

125 ए मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 7 कट्ठा, 3 छटांक, 8 वर्ग फीर जमीन पर स्ट्राकचर जो 8-11-79 तारीख में डीड नं० आई-5988 अनुसार सब रजिस्ट्रार, अलीपुर दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 24-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सरयेन्द्र चन्द्र घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० भास्करण

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० अर्जन-13/रे०-II/कलकत्ता/80-81/143—

यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/2 है तथा जो राजा सन्तोष रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 15-11-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

13 कट्ठा, 5 छटांक, 34 वर्गफुट जमीन 16/2, राजा
सन्तोष रोड, कलकत्ता मोकामे में अवस्थित।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 25-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सत्येन्द्र चन्द्र घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नलिनी भाष्कराय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 14/II/कलकत्ता/80-81/
143—यतः मुझे के० सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16/2 है तथा जो राजा सन्तोष रोड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 15-11-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

18 कट्ठा, 5 छटांक 34 बर्ग फुट जमीन 16/2 राजा
सन्तोष रोड, कलकत्ता मोका में अवस्थित।

के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 25-7-1980
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 8828—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 8, 9 है, जो कटचेरी स्ट्रीट, चिदम्बरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नारजुनी (डाकुमेंट सं० 1809/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सी० सदानंद मुदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री जे० पी० मोस्लूमद हनीफा

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 8.9 कटचेरी स्ट्रीट, चिदम्बरम
(डाकुमेंट सं० 1809/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मद्रास।

तारीख : 17-7-1980
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 7773—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 703 है, जो मोंट रोड मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1601/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एम० मुब्रमनियन और अदर्श

(अन्तरक)

(2) मद्राम इन्वैस्टमेंट्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्योद्वैताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 703, अन्ना सालै मद्रास-2।
(डाकुमेंट सं० 1601/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8820—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-28 है, जो अलगसेन नगर चेंनलपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेंनलपेट (डाकुमेंट सं० 2720/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री यसोदर अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री जी० कानचना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण बी-28, अलगसेन नगर, चेंनलपेट
(डाकुमेंट सं० 2720/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्रकृप धार्मिक टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 और 8/2 है, जो अपिलिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिनगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 2057/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित:—
4—196GI/80

(1) श्री श्रीनिवासन

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानप्राकाशम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8/1 और 8/2, अपिलिपालयम (डाकुमेंट सं० 2057/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-7-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री विज्ञान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) श्री ज्ञानप्रकाशम और अवसं

(अन्तरिती)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 8838—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सरखे सं० 8/1 और 8/2 है, जो उप्पिलिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सितगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 506/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सरखे सं० 8/1 और 8/2, उप्पिलिपालयम (डाकुमेंट सं० 566/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-7-1980

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 और 8/2 है, जो उप्पि-
लिपालयम में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिनमनल्लूर (डाकुमेंट सं० 2067/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अग्ररित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

(1) रकसनि प्रम्माल

(अन्तरक)

(2) आनप्रकासम और अवर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8/1 और 8/2, उप्पिलिपालयम (डाकु-
मेंट सं० 2067/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 17-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कै० नारायणस्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री भानुप्रकाशम और अदर्स

(अन्तरिती)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 और 8/2 है, जो उल्पि-लिपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकुमेंट सं० 2066/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारिस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 8/1 और 8/2, उल्पिलिपालयम (डाकु-मेंट सं० 2066/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 17-7-1980
मोहर :

प्रारूप आर्द्द टी० एन्० एस०

(1) बरनिदरन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ज्ञानप्राकाशम और अरव

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 8838—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सर्वे सं० 8/1 और 8/2 है, जो उप्पि-
लिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिनगनल्लूर (आकुमेंट सं० 567/79) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि सखे सं० 8/1 और 8/2, उप्पिलिपालयम (आकु-
मेंट सं० 567/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 17-7-1980
मोहर.

भूमि अधि. टी० एस० सं०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10535—यथा, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 596 पी० है, जो पीलामेटु
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
डरोठ (डाकुमेंट सं० 5306/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारिस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बी० बानुमती

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास टेक्सटाइल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 596 पी० पीलामेटु (डाकुमेंट
सं० 5306/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख :- 17-7-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 10535—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पीलमेटु है, जो ईरोठ में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोठ (डाकुमेंट सं० 5305/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

(1) श्रीमती बी० बानुसती

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आसैतमबी

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पीलमेटु, ईरोठ (डाकुमेंट सं० 5305/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख: 17-7-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 1035—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 596 है, जो पोलमेठ में स्थित
है (और इससे उपाब्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 5304/79)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन 19 नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बी० बानुमती

(अन्तरक)

(2) श्री आसेतमबो टेकसटेलस

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 566 पोलमेठ (डाकुमेंट सं० 5304/
79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निवेदन सं० 10535—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे 566 पा०, है जो पालमेट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय ईरोड (डाकुमेंट सं० 5303/76) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मलनिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन भूमिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

5-196GI/80

(1) श्री बी० बानुमती

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्नमाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एम० 566 पा०, पालमेट।
(डाकुमेंट सं० 5303/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास।

दिनांक : 17-7-80
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री रतटला बँतकट सुन्दर राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० एस० कुमार
राजेनवरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निदेश सं० 7801—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27 कपालिसवरन कोमिल है, जो नारत माल स्ट्रीट मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपायध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय मौलापुर (डाकुमेंट सं० 1998/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धेन 19 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 27, कपालिसवरन कोमिल नारत माल
स्ट्रीट मद्रास-4

(डाकुमेंट सं० 1998/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 7768—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 149, है, जो हबिबुल्ला रोड, मद्रास-17 में
स्थित है (और इससे उपायद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० नगर (डाकुमेंट सं०
1611/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रलभेलु

(अन्तरक)

(2) श्री मुत्तु और अवरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 149, हबिबुल्ला रोड, मद्रास-17
(डाकुमेंट सं० : 1611/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अलसिनगराचार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती टी० चन्द्रीका

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निर्देश सं० 7797--यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसका सं० 10 है, जो बालाजी नगर-II स्ट्रीट, मद्रास-14
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट सं०
1977/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिनियम नवम्बर 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-10, बालाजी नगर II, राजपेट,
मद्रास-14।

(डाकुमेंट सं० 1977/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निर्देश सं० 7739—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० 41, है, जो पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपलिकेत (डाकुमेंट
सं० 1002/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारत में आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अनन्ताल अम्माच मना, लक्ष्मण

(अन्तरक)

(2) श्री नेलुकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा यद्योद्विजाश्रम के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 41, पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-5
(डाकुमेंट सं० 1002/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7733—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 210, टिफनस सरविसस सोसाईटी स्कीम है, जो ननठमपाखम मद्रास-17 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलनटूर (डाकुमेंट सं० 2182/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० के० विसयनातन
राचेतल

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-210, टिफनस सरविसस सोसाईटी स्कीम, ननठमपाखम
(डाकुमेंट सं० 2182/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्रख्य भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7734—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 43, है, जो फरसट अवेन्यू शास्त्री नगर, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट सं० 2951/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविद्या के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तयागराजन और लक्ष्मी

(अन्तरक)

(2) श्री कादर मीरान अलियार बुहारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-43 फरसट अवेन्यू, शास्त्री नगर, मद्रास-20।

(डाकुमेंट सं० 2951/79)

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री बहुलालजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री रमनलाल

(अन्तरिती)

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 7770—यत्तः, मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० 10ए, है, जो वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय टी० नगर (डाकुमेंट सं० 1643/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घोषाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूक्ति और निर्माण-10ए, वेंकटराम अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17।

(डाकुमेंट सं० 1643/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख: 17-7-80

मोहर:

प्रकरण आई.टी. एन. एल.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7806—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 119, है, जो चामियरस रोड, मद्रास में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मौलापुर (डाकुमेंट सं०
1957/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धन-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—196GI/80

(1) श्री सी० तिप्पन्न राव

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी कृष्णस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधले :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि;
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदना-
धारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-112, चामियरस रोड, मद्रास।
(डाकुमेंट सं० 1957/79)

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 7769—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है, जो शफी मोहमद रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 1612/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की [उपधारा (1)] के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

(1) मिर हबिबुल्ला हुसैन

(अन्तरक)

(2) श्री रा० के० शनमुह सुन्दरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में, हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-9, शफी मोहम्मद रोड, मद्रास-6 ।
(डाकुमेंट सं० 1612/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.—-----

(1) लक्ष्मिनारायन रेड्ठियार और अदरस
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) नयू ओरिसान शुगर मिल्स
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, भद्रास

भद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निदेश सं० 8823—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 268, है, जो कनठमनगलम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कनठमनगलम (आकुमेंट सं० 1171/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर 1979(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः—स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के सायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;भूमि कनठमनगलम-14-24 राकरस
(आकुमेंट सं० 1171/79)राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, भद्रास।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 8836—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० पन्ना 8 है, जो पन्ना 8 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय (डाकुमेंट सं० 2014/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना 8 प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सयद रहीम सरूप

(अन्तरक)

(2) श्री के० एन० कुप्पुस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीनस्थकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—पेन्ना, मल्लिक कोट्टम (डाकुमेंट सं० 2014/
79)

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेंज 2, मद्रास।

तारीख : 17-7-80
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नारायण अय्यर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजगोपाल नायडू

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

निवेश सं० 8809—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी 13 और सी 13ए है, जो कावेरी नगर
कालनी मायूरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है) (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मायूरम
(डाकुमेंट सं० 999/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
बै, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उद्धार (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-सी 13 और सी 13ए, कावेरी नगर
कालनी मायूरम

(डाकुमेंट सं० 999/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 मद्रास।

तारीख : 17-7-80

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस. -----

1. श्री दीन दयाल और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी० राम प्रसाद और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई, 1980

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 10534—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 612 और 613/2 है, जो
ईरोड में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड
(डाकुमेंट सं० 5185/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:—

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 612, 613/2 ईरोड, (डाकुमेंट
सं० 5185/79) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख 17-7-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

1. श्री लक्ष्मीनारायण पार्थसारथी

(अन्तरक)

2. श्री बी० रामप्रसाद और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० 10534—यतः मुझे राधा बाल कृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयों से कर देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 616/2 और 617/2 है, जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड में (डाकुमेंट सं० 5199/79) में भांतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 617/2 और 616/2 ईरोड (डाकुमेंट सं० 5199/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख 17-7-1980
सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

1. जे० मोदिलाल सीकार,

(अन्तरक)

2. श्री पी० एस० नमबियार

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17-7-1980

निदेश सं० 8842—यतः मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है, जो शनमुहम रोड, तामबरम में स्थित है
(और इससे उपायव्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तामबरम (डाकुमेंट सं०
4727/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 24, शनमुहम रोड, तामबरम (डाकुमेंट
सं० 4727/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 17-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 8807—यतः— मुझे राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 63, है, जो कालेज रोड, कारैकुटी में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कारैकुटी में (डाकुमेंट
सं० 2566/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—196GI/80

1. श्री एल० सुब्रामनियन

(अन्तरक)

2. श्री कला नीरुप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 73, कालेज रोड, कारैकुटी, (डाकुमेंट
सं० 2566/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 17-7-1980

मोहर :

प्रका. सं० 269/79-80-—यत्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

कायदे अंतर्गत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1980

निर्देश सं० 269/79-80—यत् एच० तिम्मय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निम्नलिखित करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मैट्रिज नं० 99 और सर्वे नंबर 104 सं० 107 तक है, जो बोर्डर रोड, और डा० शिरमोकर रोड, मन्धि पाणजी, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्स्टास अंडर डाक्यूमेंट नं० 502 तारीख 22-11-79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 नवम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती क्षीय वंतिबाई आंगले उर्फ जैवतिबाई आंगले अथवा क्षीयवंतिबाई पोद्द आंगले उर्फ गंगा बाई क्षीयस, पणजी ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री यशवंत शिवा आंगले, बम्बई
(2) बेंकटेश शिवा आंगले
(3) प्रभाकर शिवा आंगले
(3) बाल कृष्ण शिवा आंगले
(5) किशोर शिवा आंगले
(6) अवधूत शिवा आंगले

महालक्ष्मी मंदिर समीप, पणजी, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

631, स्थावर मीटर खुला जगह बिल्डिंग जिसका मैट्रिज नं० है 991 और सर्वे नं० 104 से 107 तक, और जो डाक्टर बोर्डर रोड, और डाक्टर शिरमोकर रोड, मन्धि पाणजी, में स्थित है ।

एच० तिम्मय्या
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, बंगलूर

तारीख 13-3-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 16 मई, 1980

निर्देश सं० 275/80-81—यतः सूत्रे एच० तिम्मय्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सि० टी० एस० नंबर, 467, है, जो वार्ड नं० II, बल्लारि गलि, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय हुबली अंडर डाकुमेंट नंबर 1564 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. गुरुजिगप्पा, भीमप्पा उल्लिकासि

(2) भीमप्पा गुरुजिगप्पा, उल्लिकासि,

(3) श्रीमती गुरुजातप्पा मंजप्पा उल्लिकासि
देसाई गलि, हुबली ।

(अन्तरक)

2. (1) परगुराम हनमंतसा बद्धि

(2) रघुनातसा हनमंतसा बद्धि
जोकादवर ओणि, हुबली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगह और बिल्डिंग जिसका मि० टी० एस० नम्बर है 467,
और जो वार्ड नम्बर II, बल्लारि गलि, हुबली में स्थित है ।

एच० तिम्मय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 16-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी० आर० सं० 62/26304/79-80/एक्यू०/
बी०—यतः मुझे, एन० वीरराघवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है
और जिसकी सं० 86/4ई खाली जगह है तथा जो बदनीडीयर
गांव, उडुपी, तालुक में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय उडुपी, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 26-2-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) बी० तुकाराम राव
(2) बी० केदारजी राव के पुत्र
बदनीडीयर गांव, उडुपी तालुका, साउत
केनरा (डी) ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स राजमहल होटल्स, प्राइवेट लिमिटेड,
सिडीकेट हाउस, मनिपाल, पी० ओ० जिसका प्रतिनिधि है
श्री टी० रामेशा, य० पै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1117 तारीख 26-2-1980

खाली जगह है जिसका सं० 86/4ई बदनीडीयर गांव
में उडुपी तालुका साउत, केनरा (डी) कर्नाटक

एन० वीरराघवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलोर

तारीख : 3 जुलाई, 1980
मोहर:

प्रकरण छह—टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/25983/79-80/ए०सी०
क्यू०बी—यतः सुझे, एन० वीर राघवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7, और पुराना सं० 23 है, तथा जो कनकपुर
रास्ता, बसवनगुडी, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-12-79

कोपबोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धन की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. के० एस० आनन्दराम डोही,
309, शारदानंदा, भवन रास्ता,
विश्वेश्वर पुरम,
बेंगलूर

(अन्तरक)

2. (1) एन० एस० अश्वसन्नारायण शेटी
(2) एन० ए० नागन्द्रा,
(3) एन० ए० ब्राह्मिका नाथ
(4) एन० ए० नटराज
(5) एन० ए० प्रवीण कुमार
सब लोग रहते हैं, सं० 69/1, मिलड स्मूल रोड,
वी० बी० पुरम, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2737/79-80 तारीख 14-12-79)

घर संपत्ति सं०

विभाग सं० 7, पुराना सं० 23,
कनकपुर रास्ता,
बसवनगुडी, बेंगलूर-4

चकबन्दी :

उत्तर : उसी संपत्ति के दूसरा विभाग
दक्षिण : प्राइवेट संपत्ति
पश्चिम : कन्सर्वेन्सी लेन,
पूर्व :
पश्चिम : कनकपुर रास्ता

एन० वीर राघवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 3-7-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/25489/79-80/एक्यू०/बी-
यतः मुझे आर० तोतात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के अधीन नज़म प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सी० सं० 398 2B & 397-3 &
398-4ए एण्ड टी० एस० सं० 187-4 ए, 187-2 बी एण्ड
188-3 है, तथा जो कोर्ट वाड, बस्बा बिल्डिंग, मंगलूर, में स्थित
है (और इसने उभावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय,
मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 17-11-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अनुरोध को पत्र है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविकता का मेरे ज्ञान में नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी गिनी साम या विवाद धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात: -

1. (1) श्रीमती हरमैं गोंसाल्वेस
(2) ग्लेन एवरेस्ट, गोंसाल्वेस,
(3) मरीयोला जोन गोंसाल्वेस
(4) लवेल्ला आर्मीलिट गोंसाल्वेस
सं० 2-4 सं० 1 के छोटे बच्चों कर्नाड, सदाशिव
रोड, कोडीया बयल, गांव मंगलूरटाऊन
(अन्तरक)

2. श्री बी० एम० रामरुपण
सुपुत्र श्री माधवराया हतवार, होटल सातिवा,
डोर सं० 1165, एच क्रॉस,
अशोक नगर, मन्डया
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि अंत में जमाव आती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि अथवा उक्त सम्पत्ति में हित रख
रहने वाले व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त अज्ञात और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुभाग 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 621/79-80 तारीख 27-11-79)

संपत्ति सं०

आर०एस० सं०	टी०एस० सं०	एक०स्टेट ए-सी
(1) 398-ए	187-4ए	0-79½
(2) 398-2बी	187-2 बी1	0-07½
(3) 397-3	188-3	0-01

सान घर संपत्ति सं० 14-6-934 & 14-6-935 सं० 937
कोर्ट वाड बस्बा बजार गांव मंगलूर, वर्णाटक, ।

आर० तोतात्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख 10-7-80
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1922 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० सि० आर० 62/25649/79-80/ए/मिक्वू/बी—
यतः मुझे, आर० तोतावी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6/1, है, तथा जो चारवां क्रास, लालबाग रोड,
बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवत-
गुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चित करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलीप एल० भट्टाविया,
सं० 77, एस० पी० रोड, बेंगलूर-1

(अन्तरक)

2. श्री सी० शिवलिंगप्पा, सं० 25/1,
मिहन्ता, लैन, कन्ननपेट, बेंगलूर

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अकाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या, जो उक्त अधि-
नियम के अर्थात् 20-क में परिभाषित है,
वही रहेगी, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2333/79-80 तारीख 12-11-1979)

खाली जगह सं० 6/1, 4 क्रास, लाल बाग रोड,

बेंगलूर-27

चकबन्दी :

उत्तर : प्राइवेट प्रापटी
दक्षिण : जगह सं० 6
पूर्व : 4 क्रास जाने जगह
पश्चिम : क्रास डेन,

आर० तोतावी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निदेश सं० सी०आर० 62/25627/79-80/एक्यू०/बी—

यतः मुझे, आर० तोताजी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 179 है, तथा जो राष्ट्रीय विद्यालय रोड, विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) आर० कृष्णामूर्ती,
(2) आर० के० भारत
538, अनन्त निलशा, 32, क्रास,
IV ब्लॉक, जयनगर, बेंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० कृष्णाय्या शेटी
388, रामअयीनगर रोड,
विश्वेश्वर पुरम, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

3. श्री एस० एन० पार्थसारथी,
सं० 179 आर० वी० रोड, वी० वी० पुरम,
बेंगलूर-4
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2163/79-80 तारीख 2-11-79)

घर संपत्ति सं० 179 तथा जो राष्ट्रीय विद्यालय रोड, विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है।

चकबन्दी :

उत्तर : प्राइवेट प्रापटीं
दक्षिण : प्राइवेट प्रापटीं
पूर्व : प्राइवेट प्रापटीं
पश्चिम : आर० वी० रोड,

आर० तोताजी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० आर०-62/25648/79-80/एचिव०/बी०—यतः मुझे, आर० तोताप्पी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 289-ख के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 है, तथा जो नला क्रास, लालबाग रोड, 4 क्रास, बेंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान रतिकल से, ऐसे दूर्यमान रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-196GI/80

1. श्री रजेन्द्र एल० बटाविया पुत्र एल० एन० बटाविया सं० 77 सरदार पन्पूपा रोड, बेंगलूर। (अन्तरक)

2. श्री जी० लोकनाथ पुत्र एन० पी० गोपासप्पा सं० 84/1, III क्रास, III मेन् मंगीरामनगर, बेंगलूर-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 2332/79-80 ता० 12-11-79)
खाली जगह, सं० 6 नाला क्रास, लालबाग रोड-4
क्रास, डिवीजन सं० 38, बेंगलूर-27।
चक्रबंदी सं० में —जगह सं० 6/1
द० में —पैकेट प्रापर्टी
पू० में—IV क्रास जाने जगह।
प० में—क्रास डैन्।

आर० तोताप्पी
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-7-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 21 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सि० आर० 62/25978/79-80/ए० सि० क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० तोतात्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्री० जिसकी सं० 86, है, तथा जो गांधी बाजार रोड़, बसवनगुड़ी, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बेंगलूर-4 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राप्ता गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजाबाई के बाड़े, श्री/डा० कर्मचन्द बाड़े की पत्नी सं० 15, बाचम्माल रोड़, कावम टाउन, बेंगलूर-5। (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मीदेवी, श्री/सि० एम० एम० शर्मा की पत्नी, 2. श्रीमती स्वर्णलता, श्री एम० वासुदेव की पत्नी, दोनों सं० 13/13, पपमहाकवी रोड़, शंकरपुरम बेंगलूर-4 में रहवासी हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2649/79-80 ता० 10-12-1979) घर संपत्ति जिसको सं० 86 है तथा जो (पुराना सं० 86/2) गांधीबाजार रोड़, बसवनगुड़ी, बेंगलूर-4 में स्थित है।

चक्रवर्ती —ड० में— कान्सेयन्सी लेन।

द० में— गांधीबाजार रोड़।

पू० में— श्री के० एस० कप्पुराव के घर।

प० में— श्री वासुदेवमूर्ति के घर।

आर० तोतात्री
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 21-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० सी० आर०-62/25567/79-80/एवि०/बी०—यतः मुझे, आर० तोताजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना सं० 69 और नया सं० 159 है, तथा जो कुम्हार पेटे में रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अशोक कुमार, उर्फ अशोक सं० सी०-25, वेंकोबेराव लेन नगरत पेट, बेंगलूर-2। (अन्तरक)

2. 1) श्री जे० एन० गंगाराम राव
- 2) श्री जे० एन० कृपाशंकर राव
- 3) श्री जे० एन० मंजुनाथ राव
- 4) श्री जे० एन० नजुन्द राव

सं० 7, पुगनूर शमन्न लेन II क्रॉस ए० पी० रोड़, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के माध्यम से किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2854 ता० 29-11-1979)

घर सम्पत्ति सं० पुरानी सं० 69 नया सं० 159 कुम्हार पेट में रोड़, बेंगलूर सिटी।

चकबन्दी: उ० में—कुम्हारपेट में रोड़।

द० में—शांता मिरसास इमारत

पू० में—हनुमक्का के इमारत।

प० में—मूर्ती के इमारत।

आर० तोताजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 23-7-1980

माहुर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सि० आर०-62/25674/79-80/ए०
सिक्पू०/बी०—यस: मुझे, आर० तोतात्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 59/01 (श्रीउड हौस) है, तथा जो
वेस्ट आंजनेय टेंपल रोड, बसवनगुडी में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बेंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 30-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरण के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तातु:—

1. श्री बी० बी० नारायणराव, श्री/राव बहादुर, बी०
वैकुण्ठप्रसाद के बेटा, सं० 59, वेस्ट आंजनेय टेंपल रोड,
बसवनगुडी, बेंगलूर-560004। (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० भानुमति, श्री ए० राममति की पत्नी,
सं० 70, दूसरा क्राम, गविपुरम् एक्सटेंशन, बेंगलूर-560019
(अन्तरिती)

3. (1) बि० एन० रंग स्वामी

(2) अन्तं नारायण वदयार (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रार्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहार:—इसमें प्रामुक्त पक्षों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के ध्याय 20-क में परिभाषित
है, इसी अर्थ तथा की उन ध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2539/79-80 ता० 31-11-1979)

धर संपत्ति जिसकी सं० 59/01 (श्रीउड हौस) है।
तथा जो वेस्ट आंजनेय टेंपल रोड, बसवनगुडी बेंगलूर-4
में स्थित है।

चक्रवर्दी—उ० में— जगह सं० 78/3।

द० में— जगह सं० 78/1।

पू० में— बी० बी० नारायणराव के जगह सं० 59।

प० में— जगह सं० 78।

आर० तोतात्री
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 22-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० सी० आर०—62/25511/79-80/एचिव०/बी०—यतः मुझे, आर० तोताजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 517-3 ए और 517-11 ए० है, तथा जो बोलूर गांव, मंगलूर सिटी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) [के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए]

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० राम कामत पुत्र एम० नागप कामत, जिसके एजेंट है, के० बालकृष्ण डोनाथ पुत्र दयानंदराव, अन्सारी रोड बुन्देर, मंगलूर । (अन्तरक)
2. (1) एन० एस० सी० भंडारी पुत्र के० अक्षप्पा
(2) मरोजा एम० भंडारी सं० 1 की पत्नी बोलूर गांव में रहने वाले मंगलूर-31 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रस्ताव गम्भीर और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस पद्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 680/79-80 ता० 15-11-1979)
संपत्ति सं० आर० एस० सं० 57-3ए और 57-11ए
बोलूरगांव में है मंगलूर सिटी म्युनिसिपलिटि मंगलूर ।

आर० तोताजी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० सि० आर०-62/25539/79-80/एसिश्य०/बी०—यतः मुझे, आर० तोषाळी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 654, 566/2 और ए-517/2 है, तथा जो बड़ा बाजार स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चामराजनगर (पूर्व) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(फ) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा- (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बी० एस० अनंतनारायणराव जोधिस सुब्रमण्यय्या के बेटा। सं० 6-85, दूसरा क्रॉस चमाल स्ट्रीट, चामराज नगर, मैसूर जिला। (अन्तरक)

3. श्री एच० एम० श्रीकण्ठस्वामी दि० एच० पी० मल्लिवा के बेटा सं० ए०-466, जैन स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला। (अन्तरिती)

3. श्री सूरनाम दीपक टेक्सटाइल, बाजार स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 796/79-80 ता० 28-11-79) घर संपत्ति सं० 566/2, ए०-517/2, सं० 654, दुकान सं० 4, बड़ा बाजार स्ट्रीट चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है।

आर० तोषाळी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 25-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं. सी० आर०-62/25540/79-80/एसि-

क्यू०/बी०—यतः मुझे, आर० ताथानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी शाप सं० 654, 566/2, और ए०-517/2 है
तथा जो बड़ा बाजार स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चामराज
नगर (पूर्व) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, ता० 28-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री बी० एस० अन्तनारायणराव डोर सं० 6-85,
इसरा काम चमाल स्ट्रीट, चामराजनगर, मैसूर जिला।
(अन्तरक)

2. श्री सी० बी० चन्नवीरय्या श्री सी० वीरभद्रय्या के
बेटा, डोर सं० 8-104, पहला देवांग स्ट्रीट, चामराजनगर,
मैसूर जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 797/79-80 ता० 28-11-79)

शाप प्रिमैमिस सं० 654, म्युनिसिपल खाता सं०
566/2, और ए० 517/2, तथा जो बड़ा बाजार स्ट्रीट,
चामराजनगर, मैसूर जिला में स्थित है।

आर० ताथानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-7-1980

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० आर० ये० सी० नं० 185/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-69/5/अं० है, जो सैफाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मिर्जा महमद जाफर घर नं० अं०-1-69/55 सैफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती अरीफुन्नीसा पत्नी मिर्जा गलीम बेग 5-9-8/3, सैफाबाद, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 6-1-69/5 श्री० सैफाबाद, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3027/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-7-1980

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 186/80-81---

यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है, तथा जो 10-3-314 में
मासाबाद टैंक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

S-196 G1/80

1. श्रीमती फातिमा बेगम पति कर्नल एस० अब्दुल्ला
16-10-29 पुराना मलकपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री वी० सीताराम राओ घर निवासी सुराराम
राधाना पेट, तालुक नलगोण्डा जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 बीस्तरन 511--वर्ग यार्ड नं० 10-3-
314 के वी० भाग में मसाबटैंक, हैदराबाद में रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 4662/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद
में।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-7-1980
मोडर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 187/80-81---यतः
मृ०, एम० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 116, 117 है, जो गगनपाड गाऊ, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ० यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री पतनगी आबय्या पिता हनुमन्था घर नं० 1-24-गगनमहल गाऊ, हैदराबाद वेस्ट रंगारेड्डी जिला। (अन्तरक)

2. श्री गदीराजु नारायनराजु पिता सत्यानारायनराजु घर नं० 1-10-गोलालाकीनडाक गाऊ भीमावरम तालुक वेस्ट गोदावरी जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 116, और 117, कुल 7.10 एकड़ है गगनपाड गाऊ हैदराबाद वेस्ट, रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 2650/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद डेकुट में।

एम० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1980
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 जुलाई 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० ए० एफ० नं० 1045
यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर एस० नं० 78/1 है, जो नधदूर भीमावारम तालुक में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची-में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यशवेश्वरपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) जी० विजय वेंकट रामराजू
(2) दण्डू राजीव राजू
(3) दण्डू कोटि रेड्डी
(4) श्रीमती दण्डू विजयालक्ष्मी, जिला आध-प्रदेश भीमावारम तालुक वेस्ट गोदावरी। (अन्तरक)
2. (1) पेनुमत्स वेंकटा माल्लीखारजुन, श्रीनिवासन वमी, गो थाम नगर, कोला गुडेम तालुक।
(2) भूपति राजू, रामराजू, पेनुमतरा, तानुका तालुक।
(3) श्रीमती भूपतिराजू पदमाकुमारी, पेनुमतरा तानुका तालुक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाज किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिनिमा घर नं० 1/100 श्री विजयालक्ष्मी टाकिज, नवम्बर, भीमावारम रोड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 68/1980, 69/1980 और 70/1980 उप रजिस्ट्री कार्यालय यशवेश्वरपुरम।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 190/80-81—यतः
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-2-1087/10/4 है, जो सनतनगर
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्रीमती अनगुरी देवी पत्नी एम० आर० गुप्ता
7-2-1087/10-4/2 सनतनगर, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती बी० सरोजिनी पत्नी बी० नरसीनग रोड
7-1-611/1 अमीरपेट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान पहली सतह और दूसरी भान्जिल का घर नं०
7-2-1087/10/4 और 10-2-1087/10/4/1 सनतनगर
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2946/79 उप रजिस्ट्री
कार्यालय, कैरताबाद में।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठाकुर बंगला, गिरीनेठ, नागपुर

नागपुर-10 दिनांक 15 मई 1980

फा० सं० नि० स० आ० आ०/अर्जन/141
80-81—यतः मुझे, एस० के० बिलय्या,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6, लक्ष्मीनगर, है तथा जो
नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 19-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-
तर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— :

1. श्री सधुकर विठ्ठलराव कवडे, सर्कल नं० 8/13,
तिननल चौक, नागपुर, (अन्तरक)

2. श्रीमती वसुंधरा पू० बाल; श्रीमती मंगला मोहन वहीर,
श्री मोहन कृष्णाजी पनसारे, श्रीमती संयुक्ता व्ही० रालेगांवकर
श्रीमती संध्या मार्तंड भरणे, श्रीमती वैशाली, ए० उपदेव,
श्रीमती इंदु कुरबेर, श्री प्रशांत एस० टंकसेले, श्रीमती अनीता
कापरे, श्री सुधीर के० उदगोवकुर, श्री शतीश डी० मुजुमदार
श्री गोविन्द एम० खंडाईत सभी रहने वाले, नागपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6, ब्लॉक नं० 5 सर्कल नं० 20, जो
सायंटीफीक कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के ले आउट में
नागपुर में स्थित है। (एरिया 743.216 स्क्वियर मीटर)।

एस० के० बिलय्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 15-5-80.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, ठक्कर बंगला, गिरीपंठ नागपुर

नागपुर-10 दिनांक 15 मई, 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/141/80-81---

यतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सेत नं० 300-304/3, (दो० भाग में) है तथा जो हिंगणघाट में स्थित है) और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिंगणघाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16, 26-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसूचन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1:—

1. श्री हेमराज नारायण रघटाटे, श्रीमती कौसल्याबाई हेमराज राघटाटे, श्री दामोदर हेमराज रघटाटे, श्री विजय हेमराज रघटाटे, श्री बलवंत हेमराज रघटाटे, श्री प्रकाश हेमराज रघटाटे, श्री सुरेश हेमराज रघटाटे, श्री रमेश हेमराज रघटाटे, श्री बी० एन० रघटाटे, श्रीमती अंजनाबाई बी० रघटाटे। (अन्तरक)

2. श्री बलवंत तुलशीराम डोमने, श्री विनायक पांडुरंग चंद्रायन, श्री सुरेश पांडुरंग मजीबे, श्री केवलराम कवहुजी सावरकर, श्री मधुकर आरारामजी बाटेकर, श्री बीरादवे बग्गाजी तुपडा सभी रहने वाले नागपुर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्न:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य जमीन 2.75 एकड़ के दो भाग में, खेत नं० 300-304/3, मौजा, हिंगणघाट, मौजा नं० 407, तह० हिंगणघाट, जिला वर्धा।

एस० के० बिलय्या

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख: 15-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बकर बंगला गिरीपंठ नागपुर

नागपुर-10 दिनांक 20 मई, 1980

निर्देश सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/142/80-

81-- यतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी खसरा क्र० 11, पी० सी० कु० 39 है तथा जो चिखली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती अनुसयाबाई श्रावणजी सरोदे, सर्वल नं० 3, सिरसपटे, नागपुर। (अन्तरक)

2. श्री संत ज्ञानेश्वर गृह निर्माण सहकारी संख्या, जिला नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि खसरा नं० 11 पी० सी० नं० 39
2.40 एकर जमीन, मौजा चिखली त० जिला नागपुर।

एस० के० बिलय्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 20-5-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ठक्कर बंगला, गिरीपैठ, नागपुर

नागपुर, 10 दिनांक 29 मई, 1980

सं० फा० सं० नि० सं० आ० आ०/अर्जन/143/80-81-
यतः मुझे, एस० के० बिलथ्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 38/2 है तथा जो भानापेठ,
चन्द्रपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्द्रपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 27-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती राजाबाई धनराज भावागर, चन्द्रपुर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती पिनलाबाई बालकिसनजी काकानी, अमरावती
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे

संशुद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 38/2 शीट नं० 10 ब्लॉक नं० 51, भानापेठ
चन्द्रपुर।

एस० के० बिलथ्या
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 29-5-1980
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/727—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर मंगति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लान नं० एस० बी० 56 है तथा जो जयपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 10 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुमत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घट्टरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की शक्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में युक्तिवा के
लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
युक्तिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—196 GI/80

(1) श्री किशोरी रमण भार्गव, एस० बी० 56, टोंक रोड,
बापूनगर, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द किशोर शरीफ पुत्र श्री रामगोपाल शरीफ,
बी-66, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मे
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घस्तानरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लान नं० एस० बी० 56, बापूनगर, जयपुर में स्थित मकान
सम्पत्ति जो उपपंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 10 दिनांक
10-1-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र सं० और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-80

मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/732—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल मजीद पुत्र श्री फकीर मोहम्मद एवं मेहरुनिशा पत्नी अब्दुल मजीद मुसलमान, महावतों की मस्जिद, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सूचना

'इन्दर विलास' नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महिला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1843 दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

मोहर:

प्रमाण आई०टी०एन०एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/733—यतः, मुझे,
एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री समसुद्दीन पुत्र अजीमखाँ जी मुसलमान, बंवा मोहल्ला, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'इन्दर विलास' नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महीला बाग, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1833 दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/734—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11 जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द, द्वारा नेहरूपार्क, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल जलील एवं अब्दुल मजीद पुत्रान अब्दुल लतीफ मुसलमान गिरदीकोट, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्दर विलास नामक मकान सम्पत्ति का भाग, महिला बाग, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1831 दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आवेग संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/735—यतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क,
जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल जफर एवं अब्दुल सत्तार पुत्रान श्री लाल
मोहम्मद जी, महावतों की मस्जिद, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'इन्दर विलास' के नाम से सम्बन्धित सम्पत्ति का भाग, महिला
भाग, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1830
दिनांक 8-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-6-80

मोहर:

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/731—यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत श्री मुकन चन्द द्वारा नेहरू पार्क, जोधपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती असी बाई पत्नी श्री मुराद खां मुसलमान एवं सफी मोहम्मद अब्दुल रजाक, कमरुद्दीन, उदय मन्दिर जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'इन्दर विलास' नामक सम्पत्ति का भाग, महीला बाग, जोधपुर जो उपपंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1832 दिनांक 8-11-79 परपंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

(एम० एल० चौहान)

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-6-80

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/755—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹5,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो किशनगढ़ में स्थित है,
(और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवधि में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महावीर प्रसाद गीतम चन्द, राजेन्द्र कुमार पुत्र
भंवरलाल द्वारा मैसर्स गुलराम भंवरलाल, किशनगढ़
(अन्तरक)

(2) मैसर्स मिश्रल इन्डस्ट्रीज द्वारा नरेश टेक्सटाइल्स,
कटला, किशनगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 20-ब में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धारा
में दिया गया है।

अनुसूची

16 बीघा 16 बिस्वा कृषि भूमि जो खोड़ा गणेश रोड, चुंकी
चौकी के बाहर, किशनगढ़ में स्थित है और उपपंजियक, किशनगढ़
द्वारा क्रम संख्या 1148 पर दिनांक 8-11-79 को पीजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(एम० एल० चौहान)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16-7-80

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/749—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० म० तं० 8/533 है तथा जो व्यावर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-11-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीवराज पुत्र तेजमल जैन सांखला निवासी
सांखला गली, व्यावर
(अन्तरक)

(2) मैमर्स गनपती कोलोनाईजर्स, व्यावर द्वारा इसके
पार्टनर्स श्री सुरेश चन्द पुत्र भजनलाल सराफ 2.
श्री कानमल पुत्र श्री गुलाबचन्द मोदी 3. श्रीमती
सरस्वती पत्नी भागचन्द निवासी व्यावर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

म्युनिसिपल 8/533 वाली सम्पत्ति, टाटगढ़ रोड, एस० डी०
गवर्नमेंट कालेज, के पास, व्यावर जो उस पंजीयक, व्यावर द्वारा
क्रम संख्या 2556 दिनांक 2-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 16-7-80
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

जयपुर दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/750—यस: मुझे, एम०

एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 631 है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 16 नवम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायिष में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1 के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

11—196GI/80

1. श्री जयकुमार मोटीयानी पुत्र पारमलजी मोटीयानी
निवासी सरदारपुरा, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर
(अन्तरक)

2. श्री चिमन जगवानी, पुत्र श्री दौलत रामजी जगवानी
निवासी सरदारपुरा, सी-रोड़, जोधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 631, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर पर स्थित मकान
जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1892 दिनांक
16-11-79 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर,

दिनांक : 16-7-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/751--यसः मुमे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 631 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री जयकुमार मोदीयानी पुत्र पारमलजी निवासी सरदार पुरा रेजीडेन्सी रोड़, जौधपुर

(अन्तरक)

2. चिमन जगवानी, पुत्र श्री दौलत राम जगवानी निवासी सरदारपुरा, सी-रोड़, जौधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 631, रेजीडेन्सी रोड़, जौधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पञ्जिक, जौधपुर द्वारा पञ्जीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है ।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1980

मोहर :

प्रकृष बाई० टी० एन० इस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/752—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संप्लाट नं० 631 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरग के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरग से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जयकुमार मोटीयानी पुत्र पारुमल मोटीयानी निवासी सरदारपुरा रेजीडेन्सी रोड, जौधपुर

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर जगवानी, देवदास जगवानी पुत्र श्री वीलस राम जगवानी निवासी सरदापुरा सी० रोड, जौधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 631, रेजीडेन्सी रोड, जौधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 1891 दिनांक 16-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वर्णित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/753—यतः मुझे, एम० एल०
चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 631 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16
नवम्बर, 1979 के पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमा
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री सुन्दरदास पुत्र श्री देसराजमल सिंघी मोटीयानी
निवासी सरवारपुरा, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर
(अन्तरक)

2. सर्वश्री देवदास जगवानी पुत्र श्री दौलत रामजी जगवानी
निवासी सरवारपुरा सी० रोड जोधपुर
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह
म प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किंवा
अन्य व्यक्ति द्वारा, जो उक्त अधिनियम के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रभाव 20 में परिभाषित
है, इतने पूर्व होगा जो उप प्रभाव में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 631 पर स्थित मकान सम्पत्ति, रेजीडेन्सी
रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र संख्या 1894 दिनांक 16-11-79 में और विस्तृत रूप से
विवर्णित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 16-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

जयपुर, दिनांक 16 जुलाई, 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/754—यतः मुझे, एम० एल०
चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के तत्सम्बन्धी प्रविधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि उक्त संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 631 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
16 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दर दाम पुत्र श्री वेशराजमल सिधी नोटियानी
निवासी सरदार पुरा रेजीडेन्सी रोड़, जयपुर
(अन्तरक)
2. सर्वश्री दीपक जगवानी पुत्र श्री दौलत राम जी जगवानी
निवासी सरदारपुरा सी-रोड़, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 631 रेजीडेन्सी रोड़ जयपुर पर स्थित
मकान संपत्ति जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

दिनांक : 16-7-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 17 जुलाई 1980

स० राज०/सहा० आ० अर्ज/756—यतः मुझे, एम० एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ई. 53 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (प्रो० इपमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरलादेवी पत्नि गोविन्द नारायण स्वयं एवं संरक्षक मीना, बीना, निशा व पियूष की पुत्नीया श्री गोविन्दनारायण बी 69 सुभाष नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि श्री मोहन लाल एवं सर्वश्री शंकरलाल रामबाबू एवं नन्ध किशोर पुत्रान मोहन लाल, ई 53 शास्त्रीनगर जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो प्लॉट नं० ई 53 शास्त्री नगर, जयपुर पर स्थित है और उपपंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2854 दिनांक 6-11-79 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17-7-1980

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० III-415/अर्जन/80 81--अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 8 पुराना 18 तथा, हो० नं० 299 थाना नं० 406 आदि है, तथा जो मोहल्ला सरैयागंज, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या हिस्सा या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती धनेश्वरी देवी जौने श्री ज्ञान मोहनदास सा० सरैयागंज शंकरबाग, जि० मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे—श्री अर्जुन प्रसाद चौधरी सा० मुहम्मदपुर काजी पंखा टोली पो०/जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गवाजी 11 धुर जमीन मय मकान पोखता दो मंजिला जो मोहल्ला सरैयागंज जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 15697 दिनांक 26-11-79 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक 7-7-1980
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० III-416/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चार्ज नं० 8 पुराना, 18 नया, हो० नं० 299, पाना नं० 406 आदि है, तथा जो महल्ला-सरैयागंज जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 नवम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती धनेश्वरी देवी जीजे श्री ज्ञान मोहनदास सा०-सरैयागंज शंकरबाग, मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगतारन चौधरी जीजे—श्री अर्जुन प्रसाद चौधरी सा०-काजी महम्मदपुर पंचा टोली, मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मवाजी 10 पुर जमीन मय चारदिवारी पोखरा जो महल्ला सरैयागंज, मुजफ्फरपुर में स्थित है। इसका पूर्ण विवरण वस्तावेज सं० 15759 दिनांक 27-11-79 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III—417/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बार्ड नं० 8 पुगना, 18 नया, हो० नं० 299, थाना नं० 406 है, तथा जो मोहल्ला-सरैयागंज, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 फरवरी, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—196GI/80

1. श्री जाम मोहन दास वल्लभ श्री छटु लाल दास सा०—सरैयागंज शंकरबाग, मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगतारन चौधरी जौजे—श्री अर्जुन प्रसाद चौधरी सा० काजी महम्मदपुर पंखा टोली, मुजफ्फरपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराई हों ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मवाजी 11 धूर जमीन मय मकान जो महल्ला सरैयागंज जिला-मुजफ्फरपुर में स्थित है । जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 2087 दिनांक 20-2-1980 में वर्णित है । इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 7-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III-418/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 पुराना, 18 नया, हो० नं० 299, थाना नं० 406 है, तथा जो मुहल्ला सरैयागंज, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 अर्जन, 1980।

को पक्का सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापक्का सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. ज्ञान मोहन दास वल्द श्री छट्ठू लाल दास सा० सरैयागंज [गंकरबाग, जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगतारन चौधरी जीजे श्री अर्जुन प्रसाद चौधरी सा० काजी मुहम्मदपुर पंखा टोली, मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मवाजी 10 धूर जमीन जो मुहल्ला सरैयागंज जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 4467 दिनांक 8-4-1980 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला अवर निबंधक मुजफ्फरपुर में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना,

दिनांक : 7-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III-419/अर्जन/80-80—प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा नम्बर 30 खाता नम्बर 566 प्लॉट नम्बर
6998 इत्यादि है, तथा जो चास धनबाद में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय चास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री मनीलाल गोरसीया वल्द छोटे लाल गोरसीया मौजा
चास पट्टालय चास जिला धनबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सरला देवी रामपूरिया जौजे श्री मगनमल
रामपूरिया (2) श्रीमती बिमला देवी रामपूरिया
जौजे श्री नीम चन्द रामपूरिया मौजा—चास पट्टालय चास
परगना खासपेल जिला धनबाद

(अन्तरिती)

3. मेसर्स संगीता बलौथ इम्पोरीयम चास धनबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 5 डीसमल पक्का मकान सहित,
मौजा नम्बर 30, खाता नम्बर 566 प्लॉट नम्बर 6998 इत्यादि
जो चास, धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या
9062 दिनांक 13-11-79 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख: 7-7-1980

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III-420/अर्जन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इम्प्रोभेन्ट ट्रस्ट प्लान नम्बर 84 'सी' (खण्ड)
वार्ड नम्बर 11 (पुराना) 18 (नया) धाना नम्बर 4 इत्यादि
है, तथा जो राजेन्द्र नगर पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 21 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गोपी कृष्ण सिन्हा वल्द स्व० हृषिकेश प्रसाद सिन्हा
मौजा फालय—महेशपुर जिला मुंगेर वर्तमान—कोसेस
मैदान कदम कुआं पटना-3

(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी सिंह जोजे श्री लक्ष्मी नारायण सिंह
मौजा—राजेन्द्र नगर पटना-16 द्वारा श्री मृत्यू जय नारायण
सिंह आर० के० ऐवेन्यू रोड राजेन्द्र नगर पटना-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अवसूची

जमीन का रकबा 4 कठ्ठा 6 धूर जो रोड नम्बर 2 बी राजेन्द्र
नगर धाना कदम कुआं पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका
नम्बर 7070 दिनांक 21-11-79 में वर्णित है तथा जिसका पंजी-
करण जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 7-7-1980

मोहर :

प्रत्येक प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं०-III-421/अर्जुन/80-81—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सकिल नं० 13 (नया) होल्डींग नम्बर 30/29 बार्ड नम्बर 5 सीट नम्बर 53 इत्यादि है, तथा जो बाकरगंज पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरुण प्रसाद महल्ला—बाकरगंज थाना कदम कुआं पटना।

(अन्तरक)

2. श्री राकीव कुमार वर्मा नाबालिक अपने मां के द्वारा प्रदर्शित श्रीमती बिमला देवी महल्ला—गरहट्टा थाना खाजकला पटना सिटी जिला—पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 16/1/2 बीसमल पक्का मकान सहित जो मुहल्ला बाकरगंज पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका नम्बर I-6076 दिनांक 23-11-79 में वर्णित है तथा जिसका द्रंजीकरण रजिस्ट्रार आफ ऐसोरेंस कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बिहार पटना,

दिनांक : 7-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई 1980

निदेश सं० III-422/अर्जन/80-81/—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० होल्डींग नम्बर 30/29 बार्ड नम्बर 5 सीट नम्बर 53 इत्यादि है, तथा जो बाकरगंज पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 नवम्बर, 1979। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अरुण प्रसाद मुहल्ला बाकरगंज थाना कदमकुंभा पटना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीमला बेबी मोहल्ला गरहड़ा थाना खाजकला पटना सीटी जिला पटना

(अन्तरिती)

3. अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सव-वर्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 16/1/2 बीसमल पक्का मकान सहित जो मुहल्ला बाकरगंज पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से बसिका नम्बर I-6063 दिनांक 22-11-1979 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्स कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 7-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्देश सं० III 423/अर्जन/80-81—अतः मुझे ज्योतीन्द्र
नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नम्बर 481 खाता नम्बर 1, थाना नम्बर
212 इत्यादि है, तथा जो सेमलौंग रांची में स्थित है (और इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 नवम्बर,
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बन्नी प्रसाद टेवरीवाला निवासी 4, सिनडेली रोड
अलीपुर कलकत्ता ।
श्री ललित प्रसाद रिमानी निवासी चुट्टीया रोड, सेमलौंग
रांची । (अन्तरक)
2. मेसर्स बिहार उद्योग द्वारा सुरेश कुमार खेमका पार्टनर
मेसर्स बिहार उद्योग रांची । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन के सभी अंश जिस पर मकान, फैंट्री, शेड, गोदाम
और दूसरे बनावट स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका
नम्बर I-6055 दिनांक 22-11-79 में वर्णित है तथा
जिसका निवेदन रजिस्ट्रार आफ एंसेरेन्स कलकत्ता के द्वारा
सम्पन्न है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, बिहार, पटना ।

दिनांक : 7-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम
कोचीन-5

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एल० सी० 412/80-81—यतः मुझे वी० मोहन
लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूचि के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
27 नवम्बर, 1979।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पर्याप्त प्रतियोगिता
मिम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नारायणा पिल्लै

(अन्तरक)

2. श्री एस० हरजीत सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Property as per schedule attached to document No.
4059 : dt 27-7-79

वी० मोहन लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक : 9-7-1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-5

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एल० सी० 413/80-81—यतः मुझे वी०
मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 29 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(च) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधना, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13—196 GI/80

1. श्रीमती राधा देवी (अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी
के पाप लिखित में किये जा सकेंगे।

साधनोत्तरण :—इसमें प्रयुक्त मशीन और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Property as per schedule attached to document No.
4085 dt 24-11-79

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

दिनांक : 9-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती राधा देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती मनजीत सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 9 जुलाई, 1980

कोविचन-5

निर्देश सं० एल० सी० 414/80-81—यतः मुझे वी० मोहन
लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार 4 है तथा जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 27 नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

Property as per schedule attached deo No. 4060/27-
11-79

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

दिनांक : 9-7-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम,

एरणाकुलम, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एल० सी० 415/80-81—यतः मुझे, वी० मोहन
लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तत्पूणिस्तुरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूणिस्तुरा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 15 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धीर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० वी० विजयकुमारन

(अन्तरक)

2. श्री के० एस० चातुप्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

11 Cents of land with buildings as per schedule
attached to document No. 3986/79

वी० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम।

दिनांक : 14-7-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून, 1980

निर्देश सं० एस० पी० टी०/17/79-80—अतः मुझे, गो०

सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6 बीघा भूमि कालुपुर है तथा जो कालुपुर
सोनीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व से कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तिबों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

1. श्रीमती गुलबन्त कौर पत्नी सरदार अजीत सिंह
पुत्र सरदार लाल सिंह निवासी 282-एल०, माडल
टाऊन सोनीपत।

(अन्तरक)

2. मेसर्स आजाद स्टील इण्डस्ट्रीज, समीप आई० टी०
आई०, शाहीपुर रोड कालुपुर (सोनीपत)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 6 बीघा जमीन जोकि कालुपुर (सोनीपत) में
स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
सोनीपत में रजिस्ट्री क्रमांक 3957 तिथि 9-11-79 में दिया
गया है।

गो० सी० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1980
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० जी० आर० जी०/21/79-80—अतः मुझे,
गो० सिंह गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 159/11, इन्द्रपुरी है तथा जो
गुडगांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, डिमा में सुविधा
के लिए;

यस: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित:—

1. श्री बी० एस० सरपान मकान नं० ई० पी० टी०-51,
सरोजनी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. सर्व श्री सतीश चन्द्र व हरीश चन्द्र मकान नं० 9/477,
गली महादेव आगरा।
(अन्तरिती)
3. डा० जी० डी० बांगिया मकान नं० 159/11 इन्द्रपुरी,
गुडगांव।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराई जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधल:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 159/11, इन्द्रपुरी गुडगांव में स्थित
है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकृत गुडगांव
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3254 दिनांक 22-11-
1979 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 28-6-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० एस० आर०/11/79ब80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक, आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज रोहतक। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी और 8 कनाल भूमि है तथा जो रतनगढ़ (शाहबाद मारकण्डा) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थानेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरबजीत सिंह बल्द गुरचरण सिंह गा० रतनगढ़ जि० कुरुक्षेत्र

(अग्रतरक)

2. मेसर्स लक्ष्मी सोल्वेंट इंडस्ट्रीज रतनगढ़ जि० कुरुक्षेत्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी तथा भूमि जो कि रतनगढ़ में स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता थानेश्वर के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3816 दिनांक 27-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 28-6-1980
मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० जी० आर० जी०/24/79-80—अन: मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 252/11 (नमा नं० 455/7), पुरानी रेलवे रोड़ है तथा जो गुड़गांवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री भगवान दाम, टेल्गर मास्टर संतराम, मार्फीट, सदर बाजार गुड़गांवा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कौणव्या वन्ती मार्फत श्री एम० के० शर्मा, एन्ड वोकेट पुरानी रेलवे रोड़, गुड़गांवा।

(अन्तरिती)

3. मेसर्स आसाम वुड करीफ्टस् पुरानी रेलवे रोड़, गुड़गांवा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक मकान नं० 252/11 (तथा नं० 455/7) जो कि पुरानी रेलवे रोड़ गुड़गांव पर स्थित है तथा जिसका और अधिक, विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3454 दिनांक 14-12-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 28-6-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० एस० पी० टी०/22/79-80—अतः सेमू, गो० सी० गोपाल, निरीक्षण सहायक, आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 60 कनाल 6 सरले है तथा जो गा० कुंडली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1680।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

जिसमें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्र प्रभा पुत्री श्री शं.श. पाल सिंह निवासी कुंडली तथा पत्नी श्री बिलोक नाथ पुत्र श्री बशेश्वर नाथ निवासी भुन्डापुर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स गेडौर अक्सपेलर यूनिट हाऊसिंग ट्रस्ट कुंडली (सोनीपत)।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 60 कनाल 6 सरले जो कि कुंडली में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रार-कर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4775 दिनांक 19-1-1980 से दिया गया है।

गो० स० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 28-6-1980

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी०/31/79-80—अतः सुमे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षी सहायक, आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 35-एल० माडल टाऊन है तथा जो अम्बाला में स्थित है (और इससे उपबाब अनुसूची में धीरे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

14-196GI/80

1. श्री सरदार सिंह साहनी पुत्र श्री गुरचरण सिंह साहनी, जी-9, गंगापुर अक्वेटेंसन, नई दिल्ली-110014।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विनोद कुमार गुप्ता पुत्र श्री प्रेम नाथ गुप्ता
(2) श्रीमता गंगुरी देवी पत्नी श्री प्रेम नाथ गुप्ता निवास मकान नं० 2081/6, अम्बाला सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 35 एल० माडल टाऊन जो कि अम्बाला में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4951 दिनांक 29-1-1980 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 28-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/27/79-80—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 60-ए है तथा जो माडल टाउन, यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1890

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री जगमोहन कपूर, मनमोहन कंवल कपूर पुत्र श्री राम लाल कपूर माडल टाउन, यमुनानगर।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री मंजीत सिंह गठोक, हरोकिशन गठोक पुत्र मोहन लाल गठोक निवासी 60-ए, माडल टाउन, यमुनानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 60-ए माडल टाउन यमुनानगर में है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5756 दिनांक 19-3-1980 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 28-6-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामगार, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 28 जून, 1980

निर्देश सं० एस० एफ डी०/1/80-81—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान है तथा जो मंडी सफ़ीदों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सफ़ीदों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटायित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी धन को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण में कमी करने या नसते बचने में सुविधा के लिए घोष/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविकों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगिताओं अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किदा ज्ञाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चतुर्भुज और जगदीश राम सपुत्र श्री माई राम निवासी सफ़ीदों (अन्तरक)
2. श्रीमती कौशल देवी, विद्या देवी और बोहती देवी निवासी सफ़ीदों (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जो कि सफ़ीदों में स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सफ़ीदों के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 25 दिनांक 7-4-1980 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल,
सख्त प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 28-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/41/79-80—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० शो रूम नं० 3, बारान्डा तथा भूमि है तथा जो जी० टी० रोड़, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन।—

1. (1) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री लषा मल (2) सर्वश्री जगदीश सिंह, कुलदीप सिंह, पुत्रान श्री ज्ञान सिंह निवासी माडल टाऊन, करनाल।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कान्ता रानी पत्नी श्री देस राज निवासी जरनैली कालानी, करनाल (2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री सरदार सिंह निवासी बिशनपुरा, करनाल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक शो रूम नं० 3 जोकि चौक माल रोड़, जी० टी० रोड़ करनाल; स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4890 दिनांक 29-11-1979 में दिया गया है।

गो० सी० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 15-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/17/79-80—यतः मुझे, गो०
सि० गोपाल, निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसको सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो रेलवे रोड़, जगाधरी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
विसम्बर, 1979।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह (2) श्री हरबंस
सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह मार्फत में आई० एच० मेटल
इंडस्ट्रीज जगाधरी। (अन्तरक)

2. (1) श्री कस्तुरी लाल पुत्र श्री भगवान दास (2)
श्री किशन लाल पुत्र श्री मनी राम मार्फत में एन० एम०
मेटल वर्क्स रेलवे रोड़, जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग जोकि में आई० एच० मेटल इंड
स्ट्रीज, रेलवे रोड़ जगाधरी के नाम से जानी जाती है तथा जिसका
और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री
क्रमांक नं० 3657 दिनांक 10-12-1976 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 15-7-1980

मोहर:

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

अग्रकृष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

अन्तरगत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त प्रयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० एम० नो०/24/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयुक्त प्रयुक्त, अर्जुन रेंज, रोहतक। आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 107 कनाल 4 मरले है तथा जो ग्रामधानी, तहसील अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कितनी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरण के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे कितने आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरधानाथ चेला श्री समुन्द्र नाथ निवासी अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री मदनलाल, मूलखराज पुत्रान श्री अनोख राज (2) श्रीमती पुष्पा वन्ती परनी श्री मदन लाल निवासी अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 107 कनाल 4 मरले जोकि ग्राम धीन तहसील अम्बाला में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3894 दिनांक 14-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त प्रयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक।

दिनांक: 17-7-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० एम० बी०/26/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षक सहायक प्रायकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 77 कनाल 3 मरले है तथा जो ग्राम धीन जिला अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सर्वश्री जिले राम, केसर राम, अमरीक सिंह छोदू राम गुलजार सिंह, गुलाब सिंह पुत्रान श्री सरदारा राम निवासी ग्राम धीन, तहसील अम्बाला।

(अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री धनपत अरजन पुत्रान श्री शादी राम (2) श्री शान सिंह पुत्र श्री सुरजा राम निवासी ग्राम रुड़की, तहसील अम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नीचे भी ध्यान दें:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 77 कनाल 3 मरले जोकि ग्राम धीन तहसील अम्बाला में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4040 दिनांक 23-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जुलाई, 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/15/79-80—अतः मुझे, गो०
सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 140-ए, है तथा जो माडल टाऊन
यमुनानगर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता राज रानी पत्नी श्री ईशर दयाल महता माडल
टाऊन, यमुनानगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुभाष दुगल पुत्र श्री चमन लाल (2) श्री
चमन लाल पुत्र श्री ज्ञान चन्द 140-ए, माडल टाऊन,
यमुनानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 140-ए, माडल टाऊन यमुनानगर तथा
जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 3736 दिनांक 21-11-1976 में दिया गया
है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-7-1980

मोहर

प्राकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 22 जुलाई, 1980

1. श्री विपिन गुप्ता पुत्र श्री गुरदास सिंह निवासी मोहल्ला कलालों रोहतक।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरसिंग दास छाबड़ा पुत्र श्री लघा राम (2) श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री नरसिंग दास छाबड़ा निवासी सर छोटू राम भवन सिविल रोड, रोहतक।

(अन्तरिती)

3. मेमर्स टायर सिविल कम्पनी सिविल रोड, रोहतक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित नोट :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आर० टी० के०/25/79-80—अतः मुझे जो० सि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्रापटी नं० 31 तथा 32, बार्ड नं० 10 है तथा जो सिविल रोड, रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1608 (1608 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अर्जन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ठिकाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

15-196 GI/80

अनुसूची

सम्पत्तिकान/दुकान सं० 31 तथा 32 बार्ड नं० 10, सिविल रोड, रोहतक तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रार रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3175 दिनांक 16-11-1979 में दिया गया है।

जो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 22-7-1980

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2143—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गली नं० 15 मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जरनेल सिंह गुरनाम सिंह संधूरी सिंह करतार सिंह वासी दर्ग वाला फाजिलका (अन्तरक)

2. श्री गुरबाज सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र भाग सिंह वासी मुरादवाला सिध तहसील फाजिलका (अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 1832 नवम्बर 1979 के रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख: 9-6-1980

मोहर:

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 20 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2145—यतः मुझे बी० एस०
वहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
गांव नुरपुर खीरेवाली कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आशापाल सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र सन्तासिंह
वासी नुरपुर खीरेवाली आकखाना नुरपुर खीरेवाली तहसील
और जिला कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री परगन सिंह, दर्शन सिंह जगीर सिंह सुपुत्र
सुन्दर सिंह गांव नुरपुर खीरेवाली तहसील व जिला
कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3222 जनवरी
1980 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा
है।

बी० एस० वहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख : 20-6-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 20 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2146—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
गांव बजवारा तह्म में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णानुः—

1. गुरमोज लाल चम्बा ऊर्फ मखन लाल पुत्र भाना राम
गांव बजवारा जिला होशियारपुर (अन्तरक)

2. गुरदास राय पुत्र शुभा राम गांव बजवारा जिला
होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षरः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख 3936 जनवरी
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख 20-6-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 20 जून 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2147—यतः मुझे बी० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो न्यू रेलवे रोड जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए न तो तारा गाना प्रतिकर, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह पुत्र राम सिंह बासी कपुरथला रोड
जलन्धर (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र गोपाल सिंह मारफत ईस्टर्न
पंजाब हरमोनीयन न्यू रेलवे रोड, जलन्धर (अन्तरितों)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 5768, नवम्बर
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता जलन्धर अधिकारी ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जमेर रेंज, जलन्धर

तारीख : 20-6-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2148—यत् मुझे बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो लाजपत नगर में स्थित है (और इससे उपरि उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मुरिन्द्र प्रकाश पुत्र एम० आर० पंडित वासी 26-एल० लाजपत नगर जलन्धर (वर्तमान पता मालूम नहीं है)। (अन्तरक)

2. श्री चरन दास पुत्र संगत राम गांव व डाकखाना समराए तहसील फिलौर जिला जलन्धर (अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5776 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जलन्धर, ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख 26-6-1970
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 3 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2149—अतः मुझे बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

जैसा कि अनुसूची में लिखा है। आर्यसजाण मन्दिर रोड
होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र बलचन्त सिंह पुत्र भगवान सिंह
आर्यसमाज मन्दिर रोड होशियारपुर वर्तमान 924 सिन्धु
गोगयु गली पूना (अन्तरक)

2. डा० शिव चरन दास वित्तपता देवी मुन्द्र चैरीटेबल
ट्रस्ट आर्यसमाज मन्दिर रोड होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3406 नवम्बर
79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 3-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० --

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 27 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2150—यतः मुझे बी० एस०
दहिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा
जो नीरिंग सहापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगत सिंह पुत्र देवा सिंह गांव मेहातर तहसील
फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री दलजीत सिंह पुत्र जगत सिंह गांव मेहत तहसील
फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
रिपे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 1582, नवम्बर
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारख : 27-6-1980
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2151, यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो गांव अपरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—196 GI/80

1. श्री चरन जीत सिंह पुत्र रतन सिंह गांव समरारी तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री अजमोहर सिंह, गुरमीत सिंह, बलबीर सिंह गांव समरारी तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि बिलेख नं० 3419 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सज्जम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख 7-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2152—यतः मुझे बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो माल रोड कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ऊषा देवी पत्नी हरमोहिन्द्र सिंह वासी माल रोड कपूरथला (अन्तरक)

2. सुरिन्द्र कौर पत्नी करतार सिंह दर्शन कौर पत्नी मोहन सिंह और रजिन्द्र सिंह रविन्द्र सिंह सपुत्र मोहन सिंह कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि 1 द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2422 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख 7-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1980

निदेश सं० ए० पी० नं० 2153—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा
जो माल रोड कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बरजिन्दर सिंह पुत्र हरमोहिन्द्र सिंह द्वारा दान
सिंह उर्फ देवका पत्नी खुद कपूरथला (अन्तरक)

2. सुमीता घई, नीलमा घई, पुत्रियां ओम प्रकाश, कंचल कुमार
पुत्र नरण दास वासी 4 कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं ही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2470 नवम्बर
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख : 7-7-80

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2154—यत. मुझे, बी० एस०

दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोहला सोडीयावाला फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :—

1. कुन्ती देवी विधवा अमृत राय वासी मोहला सोडीयावाला फिरोजपुर (अन्तरक)
2. श्री राज पाल कपूर पुत्र राम चन्द वासी मोहला सोडीयावाला फिरोजपुर (अन्तरिती)
2. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3692 नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख 4-7-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2155—यतः मुझे, बी० एस०
बहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
तोरी बाजार फिरोजपुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान चन्द पुत्र राधा किशन बासी तोरसी बाजार
फिरोजपुर शहर (अन्तरक)

2. बलदेव कुमार, प्रमोद कुमार सुपुत्र राम गोपाल बासी
कुचा सौदागर मल फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3753 नवम्बर
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा
है।

बी० एस० बहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर

तारीख : 4-7-1980

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, बिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2156—यतः मुझे, बी० एस०
दहिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
खेड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरमीत कौर पत्नी सोहन सिंह गाँव डाकखाना
चाहल कलाँ जिला जलन्धर (अन्तरक)

2. श्री यशपाल, सतीश चन्द्र सपुत्र मोहिन्द पाल, मोहला
बेदीयां फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1511,
नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने
लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 9-7-80

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2157—यतः मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खेड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, गांव बडाकखाना चाहल कलां, जिला जलन्धर। (अन्तरक)
2. श्री मोहिन्दर पाल पुत्र नथुराम, बंसीधर पुत्र मोहिन्दर लाल, मौहला बंदीया, तह० फगवाड़ा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1512, नवम्बर 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जलन्धर

तारीख: 9 जुलाई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 2158—यतः मुझे बी० एस०, दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन उक्त अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
खेड़ा रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी सोहन सिंह बामी चाहल
कलां जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री बंसो धर यशपाल, मनीष, और मोहिन्द पाल
पुत्र नयुराम वासी मोहना बेदीया, फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्य्य होना जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1534 नवम्बर
1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-7-1980

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd May 1980

No. A. 32014/3/80-Admn. II—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on an *ad hoc* basis for a period of six months, in the first instance, w.e.f. the dates mentioned against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Date of appointment as Superintendent (DP)
1. Sh. S. P. Bansal, S. O. (DP)	}	12-5-1980 (FN)
2. Sh. B. R. Gupta, S. O. (DP)		
3. Sh. S. C. Mastana, S. O. (DP)		
4. Sh. M. M. Sharma, Asstt. Supdt. (Holl.)		
5. Sh. Jagdish Lal, Asstt. Supdt. (Holl.)		
6. Smt. D. J. Lalwani, Asstt. Supdt. (Holl.)		
7. Smt. Raj. Sethi, Asstt. Supdt. (Holl.)		
8. Miss Sudarshan Handa, Asstt. Supdt. (Holl.)	}	14-5-1980 (AN)
9. Sh. R. R. Bhardwaj, Asstt. Supdt. (Holl.)		

2. The above-mentioned officers should note that their *ad hoc* appointment to the post of Superintendent (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for senior in the grade.

3. The Notification Nos. (1) No. A. 32014/1/79-Adm.-II, dt. 10-1-80, (2) F. 2/34/67-Ests. (A) (I) dated 19-2-1970 (3) No. A. 32016/2/70-Adm.-I dt. 24-12-70, (4) No. A. 32016/872-Adm.-II dt. 7-4-73, (5) No. A. 32016/4/75-Adm.-II dt. 25-8-75, (6) No. A. 12019/9/77-Adm.-II dt. 10-4-78 and (7) No. A. 12019/9/77-Adm. II dt. 18-7-78 stand superseded accordingly w.e.f. 12-5-1980.

S. BALACHAND
Under Secy
for Secy

Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 21st July 1980

No. A-11/48/74—The following Enforcement Officers have been appointed to officiate as Chief Enforcement Officers with effect from the date of their assumption of charge and until further orders. The place of posting and date of assuming the charge are indicated against each :-

S. No.	Name	Place of posting	Date of assuming the charge
1.	Sh. Balkar Singh	Jullundur zonal Office.	28-4-80 (F.N.)
2.	Sh. M. Jeevaratnam	Madras zonal Office.	7-5-80 (F.N.)
3.	Sh. K.V. Lele	Bombay zonal Office.	21-4-80 (A.N.)

S. D. MANCHANDA
Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,
CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110022, the 25th July 1980

No. 1-23/78-CFSL/5955.—Consequent on his appointment as Assistant Director (Physics), Forensic Science Laboratory, Madhuban, Haryana, Dr. R. P. Singh has been relieved of the office of Senior Scientific Officer (Physics), Central For-
17—196GI/80

ensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi on the afternoon of 14th July, 1980.

S. K. JHA
Dy. Director (Admn.)
C.B.I.

DTE. GENL. CRP FORCE

New Delhi-110001, the 24th July 1980

No. O.II-268/69-Estt.—Consequent on expiry of period of extension granted to him, Shri V. Krishnaswamy relinquished charge of the post of Commandant '5 Bn C.R.P.F. on the afternoon of 30-6-80 and retired from Govt. Service.

K. R. K. PRASAD
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 22nd July 1980

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. T. Deshmukh, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Deshmukh will be at Amravati.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Date, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 30 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Date will be at Nagpur.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Kharosekar, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Kharosekar will be at Aurangabad.

No. 11/116/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Tarkendra Vaishnav, an Officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 17th June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Vaishnav will be at Nainital.

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. A. Sathe, an Officer belonging to the Gujarat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat Ahmedabad, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 17th June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sathe will be at Surat.

The 24th July 1980

No. 11/1/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Krishnamurthy, an Officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Director of Census Operations, Kerala Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 1st July, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Krishnamurthy will be at Quilon.

No. 11/1/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Gopalakrishnan Nair, an Officer belonging to the Kerala Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations

Kerala, Trivandrum, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Nair will be at Muvattupuzha.

No. 11/31/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Bh. V. Satyanarayana Rao, an Officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14 June, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Rao will be at Vizianagaram.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Tiwari, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14, June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Tiwari will be at Rewa.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Balbir Singh, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Singh will be at Indore.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri U. D. Mishra, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Mishra will be at Bilaspur.

No. 11/123/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Tiwari, an Officer belonging to the Madhya Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 26 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Tiwari will be at Bhopal.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT.

Ahmedabad, the 24th July 1980

No. Estt.(A)/GO/730.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 28-6-80 FN until further orders.

S/Shri

1. T. R. Venkatachari.
2. T. J. Patel.

No. 4/80/A/M.—The President is pleased to terminate the services/ to accept the resignation of the undermentioned Junior Medical Officers/Assistant Medical Officers. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name and Designation	Name of the Factory where posted	Date	
1	2	3	4	5
3.	Dr. Anil Kumar Bhatia, A. M. O.	Ordnance Factory, Kanpur	13-3-78	Resigned
2.	Dr. R. S. Krishnamurthy, A.M. O.	Ammunition Fy Krikee	4-4-78	-do-

3. S. O. Shah.
4. J. M. Rana.
5. S. J. Pandya (Proforma)
6. S. R. Yeri.

The above promotions have been made on *ad-hoc* basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

A. KRISHNA RAO,
Sr. Deputy Accountant General (A),

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

MAHARASHTRA-I

Bombay-20, the 17th July 1980

No. Admn. I/Genl/31/Vol.III/C1(1)/4.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri R. P. Datar, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 11th July, 1980. F. N. until further orders.

S. R. MUKHERJEE,
Sr. Dy. Accountant General/M.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C. G. D. A.

New Delhi-110022, the 19th July 1980

No. 18383/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri P. L. Ahuja, IDAS, Asstt. Controller General of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st January 1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-1-1981 (AN).

No. 18383/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri D. R. Vohra, ACDA, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31st Jan., 1981(AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31st January 1981 (AN)

R. L. BAKSHI,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 12th June 190

No. 3/80/A/M.—The President is pleased to appoint Dr. Bishnu Das Mandal as Assistant Medical Officer in Gun & Shell Factory, Cossipore with effect from 14-2-1980 until further orders.

1	2	3	4	5
3.	Dr. M. R. L. Kumar, A.M.O.	Clothing Factory, Avadi	2-6-78	Resigned
4.	D.A. Ramakrishna Rao J.M.O.	Ordnance Factory, Tiruchirapalli.	26-5-78	-do-
5.	Dr. Nurul Amin, J. M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur	4-6-78	-do-
6.	Dr. S. K. Mahapatra, A.M.O.	Ordnance Factory, Bhandara	8-6-78	-do-
7.	Dr. (Ku.) Sabitri Jharia, A.M.O.	-do-	10-7-78	-do-
8.	Dr. N. K. Singhla, A.M.O.	Ordnance Factory, Muradnagar.	17-7-78	Terminated
9.	O. P. Nigam, A.M.O.	Ordnance Parachute Factory, Kanpur.	19-7-78	Resigned
10.	Dr. V. J. Jose, A.M.O.	Cordite Factory, Aruvankadu.	22-7-78	-do-
11.	Dr. P. V. R. Reddy, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur.	26-7-78	-do-
12.	Dr. S. C. Naskar, A.M.O.	Gun & Shell Fy., Cossipore	2-8-78	-do-
13.	Dr. V. M. Chandrasekharan, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur	4-8-78	-do-
14.	Dr. B. K. Jain, J.M.O.	Small Arms Factory, Kanpur.	14-8-78	-do-
15.	Dr. Vijay Saxena, J.M.O.	Ammunition Factory, Kirkee.	16-8-78	-do-
16.	Dr. L. R. Murthy, A.M.O.	Ordnance Factory, Ambarnath.	26-8-78	Terminated
17.	Dr. R. B. Kaushal J.M.O.	Ordnance Factory, Ambarnath.	31-8-78	Resigned
18.	Dr. R. K. Kodai, Asstt. Surgeon Grade I	Heavy Vehicle Fy., Avadi	31-8-78	-do-
19.	Dr. R. S. Goyal, J.M.O.	Ordnance Factory, Kanpur	4-9-78	-do-
20.	Dr. D. Sreenivasan A.M.O.	Ordnance Factory, Varangaon.	13-9-78	-do-
21.	Dr. A. K. Misra, J.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur	24-9-78	-do-
22.	Dr. (Mrs.) A. S. Jaikumar, A.M.O.	-do-	17-10-78	-do-
23.	Dr. P. V. Chandran, A.M.O.	Ammunition Factory, Kirkee.	1-11-78	-do-
24.	Dr. (Mrs.) Veena Goyal, J.M.O.	Ordnance Factory, Kanpur.	16-8-78	-do-
25.	Dr. (Mrs.) I., Rukmini A.M.O.	Ordnance Factory, Dehra Dun.	15-1-79	-do-
26.	Dr. R. K. Malhotra, J.M.O.	Ordnance Factory, Muradnagar.	23-1-79	-do-
27.	Dr. R. S. Kulkarni, J.M.O.	Ordnance Factory, Khamaria.	15-2-79	-do-
28.	Dr. (Mrs.) S. S. Bangadia, J.M.O.	Ordnance Factory, Bhusawal.	26-3-79	-do-
29.	Dr. S. U. Dave, J.M.O.	Ordnance Factory, Bhandara.	18-4-78	Terminated
30.	Dr. (Mrs.) R. Gouri, J.M.O.	Clothing Factory, Avadi	20-4-79	Resigned
31.	Dr. Balaram Sharma, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur	27-4-79	-do-
32.	Dr. D. K. Saxena, A.M.O.	Ordnance Equipment Factory, Kanpur.	10-5-79	-do-
33.	Dr. S. G. Vashista, A.M.O.	Ordnance Factory, Ambajhari.	30-4-79	-do-
34.	Dr. H.S. Chandle, A.M.O.	Clothing Factory, Shahjahanpur.	1-7-79	-do-
35.	Dr. N. V. Sridhara, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur.	16-8-79	-do-
36.	Dr. (Ku.) Geeta, Mohanty, A.M.O.	Gun & Shell Fy., Cossipore.	18-8-79	-do-
37.	Dr. T. K. Venugopal, A.M.O.	Ordnance Factory, Ambarnath.	22-8-79	-do-
38.	Dr. B. K. Panda, A.M.O.	Rifle Factory, Ishapore,	24-8-79	-do-
39.	Dr. Subrata Chakraborty, J.M.O.	Rifle Factory, Ishapore.	31-8-79	-do-
40.	Dr. P. V. Prakash Rao, A.M.O.	Gun Carriage Fy. Jabalpur.	31-8-79	-do-
41.	Dr. M. R. Reddy, A.M.O.	Ammunition Fy., Kirkee.	15-10-79	-do-

1	2	3	4	5
42.	Dr. A. K. Srivastava, J.M.O.	Ordnance Factory, Muradnagar.	2-11-79	Terminated
43.	Dr. S. S. Dawod Saheb, A.M.O.	Gun Carriage Factory, Jabalpur	19-11-79	Resigned
44.	Dr. S. R. Kulkarni, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur.	30-11-79	-do-
45.	Dr. (Mrs.) S. Basu, J.M.O.	Ordnance Factory, Dehra Dun.	10-12-79	-do-
46.	Dr. (Ku.) K. K. Banga, J.M.O.	Ordnance Cable Fy, Chandigarh.	4-1-79	Terminated
47.	Dr. S. K. Verma, J.M.O.	Ordnance Factory, Bhusawal.	12-12-79	Resigned

O. P. BAHL

Addl. Director General, Ordnance Factories/
Member (Personnel)

Calcutta-16, the 22nd July 1980

No. 50/G/80—The President is pleased to confirm the following Officers in the grade of GM (SG)/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them :—

1. Shri S. S. Basu, Offg. DDGOF-Level-I (Retd.) 4th Jan., 1976
2. Shri Shiva Prasad, Offg. GM (SG)-Level-I (Retd.) 8th Oct., 1977
3. Shri P. L. Jalota, Offg. GM (SG)/Level-I 8th Oct., 1977
4. Shri R. R. Wanchoo, Offg. DDGOF/Level-I 8th Oct., 1977
5. Shri R. Swaminathan, Offg. GM (SG)/Level-I (Retd.) 8th Oct., 1977
6. Shri J. B. Saxena, Offg. GM (SG)/Level-I 13th Jun., 1979
7. Shri K. Narayan, Offg. GM (SG)/Level-II 31st Jul. 1979

V. K. MEHTA

Asstt. Director General
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd July 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1081/75-Admn(G)/4632.—On attaining the age of superannuation, Shri Kartick Charan Manna, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished charge of the post in that Office on the afternoon of 30th June, 1980.

No. 6/1066/75-Admn(G)/4638.—On attaining the age of superannuation Shri S. G. Upadhyaya relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, on the afternoon of 30-11-79.

P. C. BHATNAGAR
Dy. Chief Controller.
For Chief Controller

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th July 1980

No. A/19018/489/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Virendera Nath, a Grade IV Officer of I.E.S., as Assistant Director [Gr. I (E1)] in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from 1-4-1980 until further orders.

The 21st July 1980

No. A.19018/487/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Raghuvansh Bahadur, a grade I officer of the C.S.S. and Under Secretary in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) as Deputy Director (Administration) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from 27-5-80 (FN) and until further orders.

The 22nd July 1980

No. 12(166)/61-Admn.(G) Vol.III.—The President has been pleased to allow Shri K. M. Divakar, Assistant Director (Gr.I) (Economic Investigation) in the Small Industries Service Institute, Bombay to retire voluntarily from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1977, in terms of F.R.56(K).

New Delhi, the 22nd July 1980

No. 12/760/62/-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Guruswamy, Asstt. Director (Gr.I) (Mechanical) in branch Small Industries Service Institute, Jammu as Deputy Director (Mechanical) on ad hoc basis in Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 30-6-80 until further orders.

No. 12(645)/70-Admn.(G).—On his appointment as Senior Research Officer, Planning Commission, New Delhi Shri K. V. Vishwanathan relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr.I) (Economic Investigation) in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi in the afternoon of 1st July, 1980.

No. 12(752)/72-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Technical Adviser in Indian Investment Centre, New Delhi, on deputation basis, Shri S. R. Singh has relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemical) in Small Industries Service Institute, New Delhi in the forenoon of 31-5-1980.

No. A-19018/14/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. P. Pathodia, Assistant Director (Gr.I) (Mechanical), Small Industries Service Institute, Bombay as Deputy Director (Mechanical) on *ad hoc* basis in Regional Testing Centre, Bombay with effect from the forenoon of 30-6-80 until further orders.

No. A-19018(425)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri V. S. Malik, Small Industry Promotion Officer (Glass/Ceramics) as Assistant Director (Gr. II) (Glass/Ceramics), at the Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 21-4-1980 until further orders.

No. A-19018(455)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. B. Das, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic investigation & Statistics Division), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) on *ad-hoc* basis in the Small Industries Service Institute, Allahabad with effect from the forenoon of 22nd April, 1980 until further orders.

The 23rd July 1980

No. A-19018/13/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Krishna Kumar, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Services Institute, Solan as Deputy Director (Mechanical) on *ad-hoc* basis in Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from 30-6-1980 (F.N.).

M. P. GUPTA
Dy. Director (Admn.).

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th July 1980

No. A-6/247(230).—Shri M. D. Babyloni, permanent Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service, Metallurgical Branch) Group 'A' and officiating Dy. Director of Inspection (Met) (Grade II of Indian Inspection Service, Metallurgical Branch) Group 'A' in the office of Director of Inspection (Met), Jamshedpur retired from service with effect from the afternoon of 31st May, 1980 on attaining the age of superannuation.

The 21st July 1980

No. A-17011/172/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri K. N. Shrivastava, Examiner of Stores (Engineering) in the office of the Dy. Director of Inspection, Kanpur to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from 30-6-1980 (FN) and until further orders.

No. A-17011/172/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. K. Jain, Examiner of Stores (Engineering) in the office of the Dy. Director of Inspection, Kanpur to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from 30-6-1980 (FN) and until further orders.

No. A-17011/179/80/A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. K. Chakravarty, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on *ad-hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer (Met) in the office of the Director of Inspection (Met) Jamshedpur with effect from forenoon of 23-6-1980 and until further orders.

No. A-17011/181/80-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri R. P. Sinha, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem) in the office of the Deputy Director of Inspection (Met) Durgapur under Burnpur Inspectorate with effect from forenoon of 28-6-1980 and until further orders.

The 25th July 1980

No. A-1/1(462).—The President is pleased to appoint Shri S. L. Sakhuja, Assistant Director (Gr. I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate of Supplies & Disposals Bombay, to officiate on *ad hoc* basis as Deputy Director of Supplies (Gr. II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at Bombay, with effect from the afternoon of 9-7-1980.

2. The *ad-hoc* promotion of Shri S. L. Sakhuja as Deputy Director of Supplies will not confer on him any right or claim towards seniority and regular appointment in the grade to which he is promoted on *ad hoc* basis.

The 26th July 1980

No. A-17011/166/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri P. Madhavan, Assistant Foreman of Controllorate of Inspection (Heavy Vehicles), Avadi Madras as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') in the office of the Director of Inspection, Bombay with effect from afternoon of 6-6-1980 and until further orders.

P. D. SETHI
Dy. Director (Admn.)
For Director General of Supplies & Disposals.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 23rd June 1980

No. 29/10/76-S-II (Vol.-II)—The Director General, All India Radio hereby appoints the following officers in a substantive capacity in the cadre of Farm Radio Officer, AIR with effect from 1-1-79 :—

S. No.	Name, Present designation and place of posting	Station/Office where lien is allotted on confirmation
S/Sh.		
1.	S. B. Singh, FRO, AIR, Lucknow	AIR, Lucknow
2.	K. V. Subbarao, FRO, Hyderabad	AIR, Hyderabad
3.	P. K. Dey, FRO, AIR, Calcutta	AIR, Calcutta
4.	T. P. Thandavarayan, FRO, Madras	AIR, Tiruchirapalli
5.	S. S. Panke, FRO, AIR, Nagpur	AIR, Nagpur
6.	R. K. Vohra, FRO, AIR, Jullundur	AIR, Jullundur
7.	M. T. Jayana, FRO, AIR, Bangalore	AIR, Bangalore
8.	R. B. Deshpande, FRO, AIR, Pune	AIR, Pune
9.	Y. Hanumantha Rao, FRO, Vijayawada	AIR, Vijayawada
10.	H. S. Srivastava, FRO, AIR, Rampur	AIR, Rampur
11.	A. N. Tiwari, FRO, AIR, Patna	AIR, Patna
12.	P. Saravanan, FRO, AIR, Coimbatore	AIR, Coimbatore
13.	R. J. Pandya, FRO, AIR, Rajkot	AIR, Rajkot
14.	A. N. Sahoo, FRO, AIR, Sambalpur	AIR, Sambalpur
15.	G. L. Bhagat, FRO, R. K., Jammu	Raipur
16.	Rati Ram, FRO, AIR, New Delhi	AIR, New Delhi
17.	V. S. Srivastava, FRO, AIR, Simla	AIR, Gwalior
18.	H. C. Gupta, FRO, AIR, Jaipur	AIR, Jaipur
19.	R. C. Satpathy, FRO, AIR, Jeypore	AIR, Parbhani
20.	R. D. Ram, FRO, AIR, Varanasi	AIR, Varanasi
21.	D. G. Mishra, FRO, AIR, Cuttack	AIR, Cuttack
22.	S. K. Bhan, FRO, R. K. Srinagar	R. K. Srinagar
23.	K. K. Kurian, FRO, AIR, Trichur	AIR, Calicut
24.	D. R. Hiremath, FRO, AIR, Dharwar	AIR, Dharwar
25.	Bhoop Singh, FRO, AIR, Ranchi	AIR, Ranchi
26.	A. A. Ansari, FRO, Indore	AIR, Udaipur
27.	N. C. Sakia, FRO, AIR, Gauhati	AIR, Imphal
28.	A. K. Chakravarti, FRO, Agartala	AIR, Cuddapah

1	2	3
29. P. B. Kuril, FRO, AIR, Parbhani	AIR, Gulbarga	
30. D. P. Deb Burman, FRO, AIR, Imphal	AIR, Bhagalpur	
31. Saryu Prasad, FRO, AIR, Gwalior	R. K. Jammu	
32. Miss A. N. Parimala, FRO, Home (Female) DGAIR, New Delhi	DGAIR, Delhi,	New

2. Their confirmation is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to serve under a public corporation and that on such transfer, they will be liable to the conditions, of service to be laid down for the employees of that corporation.

The 19th July 1980

No. 29/8/80-SIL.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri P. B. Kureel, Farm Radio Reporter All India Radio, Rampur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Rampur on ad-hoc with effect from 30th June 1980.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
For Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th June 1980

No. A-12025/5/79-D.—Consequent on his appointment as Deputy Assistant Director General (Store) in the Directorate General of Health Services, Shri Randhir Mandal relinquished the charge of the post of Drugs Inspector in the office of Deputy Drugs Controller (India) Central Drugs Standard Control Organisation East Zone, Calcutta on the 12th May, 1980 (afternoon).

R. BALASUBRAMANYAN
Deputy Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 10th July 1980

No. A-35021/1/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. Sankara Narayanan to the post of Accounts Officer at Safdarjang Hospital, New Delhi with effect from afternoon of 10th June, 1980 on deputation basis and until further orders.

No. A-35021/1/80-Admn.I.—Consequent on his reversion to his parent Department, viz. Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, Shri K. C. Sharma relinquished charge of the post of Accounts Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi on the afternoon of 10th June, 1980.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 17th July 1980

No. 17-17/74-Admn.(Part II).—Consequent on his selection to the post of Senior Research Officer in the Office of the Registrar General of India, Dr. S. R. Mehta relinquished charge of the post of Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 16th June, 1980.

F. No. A-12025/23/79/NMEP/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri H. Biswas to the post of Assistant Director (Ent.). National Malaria Eradication Programme Directorate with effect from 31st March, 1980 (J.N.) on a temporary basis and until further orders.

F. No. A-12026/5/80-NMEP/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Vimal Kumar Verma, Section Officer of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, to the post of Accounts Officer at the National Malaria Eradication Programme, Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of the 5th June, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 22nd July 1980

No. A-19023/44/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I), in this Directorate at Hyderabad, Shri B. K. Ghosh handed over charge of the post of Marketing Officer at Faridabad in the afternoon of 2-7-1980.

No. A-19023/47/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Surat, Shri A. P. Tichkule handed over charge of the post of Marketing Officer at Bombay in the afternoon of 30-6-1980.

No. A-19025/18/80-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Shri Ram Gopal Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 2-7-1980 (FN), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONAL DIVISION)

Bombay-400 085, the 24th June 1980

No. PA/19(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Pramod Ramchandra Fadnavis, Assistant, Department of Atomic Energy, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of 30 May, 1980 until further orders.

The 26th June 1980

No. BARC/Hosp/G/66.—The Competent Authority appoints Dr. (Smt.) Poornima Krishnamoorthy as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of June 12, 1980 to the afternoon of July 12, 1980.

The 4th July 1980

No. PA/43(1)80-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Paramel Elppuru Job, a permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of July 1, 1980 until further orders.

The 8th July 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Som Nath Watal, Section Officer, from the office of the Accountant General, Jammu and Kashmir on deputation as Assistant Personnel Officer in

BARC in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—
EB—40—960/- with effect from the forenoon of March 15,
1979 upto September 14, 1980.

A. S. DIKSHIT
Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 2nd July 1980

No. 5/1/80/Estt. II/3212.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. K. Murthy, permanent Assistant Security Officer to officiate on an *ad hoc* basis as Security Officer for the period from 3-5-1980 (FN) to 5-6-1980 (AN).

The 5th July 1980

No. 5/1/80-Estt. II/3293.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri L. B. Gawde, Assistant	Asstt. Personnel Officer	1-4-80	30-5-80 A.N.
2.	Shri S. R. Pinge S. G. C.	Asstt. Personnel Officer	2-4-80	30-5-80 A.N.
3.	Shri V. P. Kulkarni, Assistant	Asstt. Personnel Officer	17-4-80	23-5-80 A.N.
4.	Shri B. V. Bhagunde Assistant	Asstt. Personnel Officer	21-4-80	7-6-80 A.N.

The July 14th 1980

No. 5/1/80-Estt. II/3431.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri P. T. Borkar, Assistant	Asstt. Personnel Officer	28-4-80	21-6-80 A.N.
2.	Shri U. R. Menon Assistant	Asstt. Personnel Officer	12-5-80	21-6-80 A.N.
3.	Shri D. S. Ingle, Assistant	Asstt. Personnel Officer	5-5-80	27-6-80 A.N.
4.	Shri D. K. Mangaonkar, Assistant	Asstt. Personnel Office	28-4-80	7-6-80 A.N.

The 15th July 1980

No. P-489/Estt. II/3452.—Consequent on voluntary retirement from Government service under the provisions of Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977, Shri Prabhakar Ramachandra Paradkar, permanent Security Officer in this Research Centre, relinquished charge of his post on the afternoon of June 30, 1980.

KUM. H. B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd July 1980

No. PPED/3(288)/79-Adm./10047.—Consequent on his transfer from Madras Atomic Power Project to Power Projects Engineering Division, Q.S.Group at Hyderabad, Director, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri V. Satyanarayana, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same capacity in this Division with effect from the forenoon of May 21, 1980 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer

(DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 5th July 1980

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/10455.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. D. Rathod, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from June 19, 1980.

The 8th July 1980

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./10617.—On transfer from the Bhabha Atomic Research Centre, Shri Vasant Balwant Vyapari, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer has been appointed in the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of June 12, 1979 in the same capacity until further orders.

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/10625.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Arabinda Panda, an officiating Assistant Stores Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 17th July 1980

No. DPS/23/4/79-Est./11530.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Period	
		From	To
1.	Shri S. G. Jamshendekar	28-4-1980	21-6-1980
2.	Shri V. G. Jobanputra	29-4-1980	13-6-1980
3.	Shri K. L. Ahluwalia	5-5-1980	16-6-1980

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 18th July 1980

No. NFC/PAF/0704/5082.—In continuation of Notification No. PAR/0704/2871 dated 30-5-1980, the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, has extended the officiating appointment of Sri A. Chennakesava Rao, an industrial temporary Upper Division Clerk as Asst. Personnel Officer from 27-6-1980 to 3-7-1980, vice Sri K. Ramachandran, Asst. Personnel Officer, extended his leave.

P. S. R. MURTY
Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 10th July 1980

No. A. 32023/1/77/2-8416.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. M. Velayudhan, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in an officiating capacity on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of July 5, 1980 until further orders.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July 1980

No. A-31013/2/78-EJ.—The President has been pleased to appoint the undermentioned two officers to the post of Deputy Director General, in a substantive capacity, in the same post, in the Civil Aviation Department with effect from the dates mentioned against each :—

1. Sh. G. R. Kathpalia—3-5-1977
2. Sh. P. K. Ramachandran—23-2-1980.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration
For Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 17th July 1980

No. A-12025/3/78-EW.—The President is pleased to appoint Shri K. Venkatkrishnan to the post of Electrical and Mechanical Officer in the Civil Aviation Department in the scale of pay Rs. 700-40-900-EB-40-1100 50-1300, in an officiating capacity with effect from the 11th June, 1980 (F.N.) and until further orders.

Shri K. Venkatkrishnan is posted to the office of the Region Director, Civil Aviation Department, Madras Region, Madras.

V. V. JOHRI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 21st July 1980

No. A.32013/9/79-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/4/78-EC, dated 17-1-80, and A. 32013/9/79-EC, dated 13-3-80, the President is pleased to continue *ad hoc* appointment of the following four Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis for a further period of six months beyond 29-2-80 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier :—

S. No., Name and Station of posting

1. Shri N. Muniandy—Aero. Comm. Station, Madras.
2. Shri T. C. S. Moosad—Aero. Comm. Station, Madras.
3. Shri S. L. Mehra—Aero. Comm. Station, New Delhi.
4. Shri P. K. Dutta I—Aero. Comm. Station, Calcutta.

No. A.32013/13/79-EC.—In continuation of this Department Notification numbers A.32013/11/79-EC, dated 14-4-80 and number A.32013/11/79-EC, dated 5-5-80, the President is pleased to appoint the following three Technical Officers who are at present working as Senior Technical Officer on an *ad hoc* basis to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 24-4-80 (F.N.) and until further order and to post them to the station indicated against each :—

S. No., Name and Station of posting

1. Shri M. Jralappan—Aero Comm. Station, Calcutta.
2. Shri Vishwanath—Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.
3. Shri R. Sampathkumaran—Aero. Commn. Station, Bombay.

No. A.38013/1/80-EC.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 30-6-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation :—

S. No., Name & Designation Station

1. Shri S. Tadkase, Asst. Tech. Officer—Aero. Comm. Stn., Bombay.
2. Shri P. Hari, Asstt. Comm. Officer—Aero. Comm. Stn., Madras.
3. Shri K. C. Thomas, Asstt. Comm. Officer—Aero. Comm. Stn., Madras.

R. N. DAS,
Asstt. Dir. Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 21st July 1980

No. 3/80 - The following officers in the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' retired from Govt. service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name of officer and Post held at the time of retirement	Date of retirement
S/Shri		
1.	S. G. Bhatnagar, Supdt. Group 'B' Central Excise Kanpur-I division	31-10-79 AN
2.	S. S. Sinha, Supdt., Central Excise Group 'B' Hdqrs. Office, Kanpur	31-10-79 AN
3.	K. N. Gautam, Supdt., Central Excise Group 'B' Hdqrs. Office, Kanpur	30-11-79 AN
4.	R. P. Rai, Supdt., Central Excise Group 'B' Hdqrs. Office, Kanpur	29-2-80 AN
5.	R. S. Saxena, Supdt., Central Excise Group 'B' Kanpur-II Division	29-2-80 AN
6.	R. S. Sebi, Supdt., Central Excise Group 'B' Kanpur-II Division	31-3-80 AN
7.	B. D. Mehrotra, Supdt., Central Excise Group 'B' Kanpur-II Division	30-4-80 AN
8.	S. K. Sinha, Supdt. Group 'B' Central Excise Farrukhabad Division	31-5-80 AN

(Sd) ILLEGIBLE
COLLECTOR

Nagpur, the 26th July 1980

No. 1/80.—On attaining the age of superannuation, Shri Balraj Dewan, Administrative Officer, Central Excise Division-II Nagpur this Collectorate, has retired from Government service in the afternoon of the 30th June, 1980.

K. SANKARAMAN, Collector.

Bangalore, the 2nd July 1980

No. 12/80.—Shri Syed Imam, Superintendent of Central Excise & Customs, Group 'B' has retired from Government service on superannuation on 30-6-1980 (after-noon).

R. N. SHUKLA IRS,
Collector

CENTRAL RAILWAY

appointment with effect from the date shown against his name: —

Bombay, the 22nd July 1980

Name Date of confirmation in
Class II Service

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that

Shri M. V. Puro—22-2-1980

A. K. CHAKRAVARTI, General Manager.

CLW/CHITTARANJAN

Chittaranjan, the 21st July 1980

No. GMA/GS/8(Admn)—The following Class-II Officers who are at present officiating in Sr. Scale and holding lien in Class-III Service on this Administration, are confirmed as Asstt. Personnel Officer in Class-II service in the cadre of Personnel Department of Chittaranjan Locomotive Works, with effect from the dates shown against each :

Name of Officer	Date of confirmation	Remarks
1. Sri G. K. Kairai	From 29-5-79(FN)	Retired from 31-12-79 (AN)
2. Sri S. Lakshmanan	From 1-1-80 (FN)	Against the post released due to retirement of Sri Kaira.

K. RAMAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kamala Agency Private Limited.

Shillong, the 21st July 1980

No. TS/428/560/(5)/1473.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kamala Agency Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Assam Accumulator Private Limited.

Shillong, the 21st July 1980

No. 1091/560(3)/1475.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Accumulator Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE,
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram,
Shillong

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 19th July 1980

No. F. 48-Ad(A)/80.—Shri Naranjan Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal,

Delhi Benches, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th July, 1980 until further orders *vice* Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches granted leave.

The above appointment is purely temporary as a local arrangement and is without prejudice to the claims of other senior persons working in the Income-tax Appellate Tribunal.

The 25th July 1980

No. F. 48-Ad(AT)/80.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi who has been appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7th July, 1980 in the leave vacancy of Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Delhi Benches *vide* Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 19-7-1980 will now continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity, *vice* Shri Sat Pal, Asstt. Registrar, Delhi Benches expired, with effect from 21-7-1980 to 16-8-1980 or till the post is filled up on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

2. The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

B. B. PALEKAR
President

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, dated the 1st August, 1980

Ref. No. 1276-A/Meerut/79-80—Whereas I B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 8-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Tilak Ram Batra s/o Lala Gyan Chandra Batra and Sri Brij Mohan Batra s/o Sri Tilak Ram Batra r/o 171, Abu Lane, Meerut Cantt.

(Transferor)

- (2) Smt. Rachna A Patel w/o Sri A.K.N. Patel r/o Civil Lines, Meerut City at Present Gul Cottage Lursi Kui Navasari Distt: Bulsar (Gujarat) through Sri Prem Nath Real Father and General attorney.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A Half Portion of Bungalow No. 82 Survey No.324, measuring 774 Sq. Mtrs., situated at Hill Street, Meerut Cantt.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE,

691/1/10 Pune Satara Road, Pune-411009.

Pune-411009, the 25th July 1980

Ref. No. CAS/SR. Kalyan/Dec. '79/80-81.—Whereas, I
A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 90, H. No. 2/1 admn. 919-2 sq. mt. Alli No. 55 situated at Chikanghar, Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Kalyan on 27-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—186GI/80

- (1) Shri Sitaram Anandrao Pai,
J.N. Bldg., Station Road,
Mohammad-ally Chowk, Kalyan, Dist. Thane.
(Transferor)

- (2) The Sharda Co-op. Housing Society Ltd.,
Chairman : Shri Ashok Murlidhar Shanbaug,
Block No. 10, Rambaug Lane No. 5,
Tehsil Kalyan, Dist. Thane.
(Transferee)
- (3) 25 members of the said Co-op. Housing Society.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Open land at S. No. 90, Hissa, No. 2/1, Alli No. 55 at Mouje Chikanghar, Tahsil Kalyan, within the municipal limits of Kalyan, admn. 919-2 sq. mts. at Kalyan Dist. Thana

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 1022, dt. 27-12-79).

A. C. CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date : 25-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harrindar Kaur

(Transferor)

(2) Shri 1. Gurdev Singh 2. Gurmil Singh 3. Gurdayal Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1980

REF. No. 722/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 125A situated at Motilal Nehru Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 125A Motilal Nehru Rd., Calcutta with land measuring 7 cottahas 4 ch. with structures partly as per deed No. I-5987 registered by the Sub-register, Alipore on 8-11-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 24-7-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Harrindar Kaur

(Transferor)

(2) Shri 1. Mahindar Singh 2. Sindar Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1980

REF. No. 723/Acqn. R-III/80-81/Calcutta.—Whereas I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 125A situated at Matilal Nehru Rd. Calcutta-29

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 125A Motilal Nehru Rd., Calcutta measuring land 7 Cottahs 3 Ch. 8 sft. with structures registered by Sub-register, Alipore being No. I-5988 dt. 8-11-79.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 24-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satyendra Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Bhaskaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

REF. No. AC-13/R-II/Cal/80-81—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/2 situated at Raja Santosh Road

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-11-79.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg & Land measuring 13-Ks., 5-Chs. 34-Sft. situated at premises No. 16/2, Raja Santosh Rd., Calcutta, more particularly described in deed No. 5926 dated 15-11-79.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 25-7-80,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satyendra Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nalini Bhaskaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA.

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD : CALCUTTA-16.

Calcutta, the 25th July 1980

REF. No. AC-14/R-II/Cal/80-81/143—Whereas, I
K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/2, situated at Raja Santosh Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg and Land measuring 18Ks., 5 Chs. 34-Sft. situated at premises No. 16/2, Raja Santosh Rd., Cal. more particularly described in deed No. 5925 dt. 15-11-79.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 25-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

REF. No. 8828—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-9, Kutcheri St., situated at Chidambaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Dec. 1809/75) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) C. Sivananda Mudaliar
Mela Veedi,
Udayanadu, Kattumannarkoil (PO)

(Transferor)

(2) J. P. Mohammed Hanifa Sahib
S/o, J. Peer Mohammed Sahib
Main St., Eleri Kattumannarkoil

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8-9 Kutcheri St., Chidambaram
(Dec. 1809/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600 006 the 16th July, 1980

REF. No. 7773—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 703, Mount Road, situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1601/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—
19—196GI/80

(1) Shri M. M. Subramanian,
M. M. Viswanathan
M. M. Paramanandam
M/s. Indian Wire Products Industries
104, Nyniappa Naicken St.,
Madras-3

(Transferor)

(2) Madras Investments and Construction Corporation
192, Llyods Road, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 703, Anna salai, Madras-2.
(Dec. 1601/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 16-7-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 8820—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B 28, Alagesan Nagar situated at Chingleput (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput (Doc. 2720/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Yasodara Ammal
47, Ladakaralai Village
Madurantakam

(Transferor)

(2) G. Kanchana
B 28, Alagesan Nagar,
Chingleput

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at B 28, Alagesan Nagar Chingleput
(Doc. 2720/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

No. REF. 8838—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 8/1, 8/2 Uppilpalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 2057/79) on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Srinivasan
Rep. K. Narayanaswamy
58, Mariamman Koil St., Peelamedu
Coimbatore

(Transferor)

(2) Gnanaprakasam & others
105, Avarampalayam Road, Peelamedu
Coimbatore

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. 8/1, 8/2, Uppilpalayam
(Doc. 2057/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, dated 17th July, 1980

REF. No. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 8/1, 8/2, situated at Uppilipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanailur (Doc. 566/79 on November 1979) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

- (1) Minor Vikran, Rep. by Narayanaswamy
58, Mariamman Koil St.,
Peelamedu, Coimbatore

(Transferor)

- (2) Gnanaprakasam & others,
105, Avarampalayam Road,
Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 8/1, 8/2, Uppilipalayam
(Doc. 566/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 11-7-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 8/1, 8/2, situated at Uppilipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanailur (Doc. 2067/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rukmani Ammal, 58, Mariamman Koil St.,
Peelamedu, Coimbatore

(Transferor)

- (2) Gnanaprakasam & others
105, Avarampalayam Road
Peelamedu, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. 8/1, 8/2, Uppilipalayam
(Doc. 2067/79)

RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 8838—Whereas I RADHA BAI AKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 8/1 & 8/2, Uppilipalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanailur (Dec. 2066/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Narayanaswamy
58, Mariamman Koll St., Peelamedu,
Coimbatore

(Transferor)

- (2) Gnanaprakasam and others
105, Avarampalayam Road, Peelamedu
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 8/1 and 8/2, Uppilipalayam
(Dec. 2066/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 8838—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. S. No. 8/1, 8/2 situated at Uppilipalayam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanailur (Doc. 567/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Minor Baranidharan
Rep. by Narayanaswamy
58, Mariamman Koil St. Peelamedu, Coimbatore
(Transferor)

(2) Gnanaprakasam & others
105, Avarampalayam Road,
Peelamedu, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 8/1, 8/2 Uppilipalayam
(Dec. 567/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-80
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 10535--Whereas, IRADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 596P, Peelamedu situated at Railwayapura, Latif Dehla, Sakarbazar, S. No. 163 M.S. No. 708, situated at Railwayapura, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Dec. 5306/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) B. Banumathi,
59, Mandapam St.,
Erode.

(Transferors)

(2) Sri Srinivasa Textiles,
47A, Kumaresapuram, Tiruchengode

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 596P, Peelamedu
(Dec. 5306/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ran-II, ra

Date : 17-7 80

Seal :

FORM ITNS

(1) B. Banumathi,
59, Mandapam St., Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R. Aasaithambi,
47A, Mandapam St.,
Kumaresanagar, Tiruchengoda

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July, 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette of a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

No. REF. 10535- -Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. Peelamedu, Erode situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Erode (Dec. 5305/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Peelamedu, Erode
(Doc. 5305/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

20—196GI80

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) B. Banumathi,
59, Mandapam St., Erode

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Aasalthambi Textiles
47A, Kumarasapuram, Tiruchengode

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MA FRAS 600 006.

Madras 600 006, the 17th July, 1980

No. REF. 10535—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 596 situated at Peelamedu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5304/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 596 Peelamedu.
(Doc. 2304/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras 600 006

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) B. Banumathi
W/o. Amirdhalal
59, Mandapam St., Erode

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Chinnammal, W/o. Muthuswamy
Karuveppampatti, Tiruchengode Tk

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MARAS 600 006.

Madras 600 006, the 17th July, 1980

REF. No. 10535.—Whereas, I RAHHA BALA KRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 596P Peelamedu situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5303/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T. S. 596 P, Peelamedu
(Dec. 5303/79)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7801—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, Kapaleeswar Koil situated at North Mada St., Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Dec. 1998/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rentala Venkata Sundara Rao and
R.F. Subba Rao
Rentala House, 27, Kapaleeswarar Koil
North Mada St., Madras-4

(Transferor)

(2) T.S. Kumar and B.S. Rajendren
19/1, Pillayar Koil St.,
Thottapalayam, Vellore N.A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27, Kapaleeswar Koil North Mada St., Madras-4
(Dec. 1998/79)

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) T.R. Alamelu 6, Nungambakkam High Road
Madras-600 034

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Muthu, Al. Alagappan, Al. Alamelu
RM. Theiyana, T. Sivagami
RM. Kalyani Achi, 2, Rutland Gate II St.,
Madras-6

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7768—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 149 Habibullah Road Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1611/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 149, Habibullah Road Madras-17

(Dec. 1611/79)

(RADHA BALAKRISHNAN)

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) M.R. Alasingarachar,
10, Balaji Nagar 2nd St., Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. T. Chandrika, No. 21, Shafce Mohammed Road Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

No. Ref. 7797.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, Balaji Nagar Hind St., situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1977/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 10, Balaji Nagar Hind St., Royapettah, Madras-14.

(Doc. 1977/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 17-7-1980

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 17th July 1980

Ref. No. 7739.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41, Pillayar Koil St., situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Triplicane (Doc. 1002/79) On November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Andal Ammal, M. Mani, Mrs. R. Lakshmi,
41, Pillayar Koil St., Madras-5.

(Transferors)

(2) Miss Nelufer, Minor
Rep. by Mallikunissu Begum 570, Mount
Road, Madras-18.

(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 41, Pillayar Koil St., Madras-5.
(Doc. 1002/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Major T.K. Viswanathan Mrs. Rachel
K.B. Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) N.R. K. Krishnan, 84, Pilkington Road
Madras-23.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th July 1980

REF. No. 7733—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 210, Tamilnadu Area Defence situated at Services Co-op. House Construction Society Scheme, Nandambakkam, Madras-97

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alandur (Dec. 2182/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 210, Tamilnadu Area Defence Services Co-op. House Construction Society Scheme, Nandambakkam, Madras-97,

(Doc. 2182/79)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS

(1) M.R. Thyagarajan & Lakshmi Thyagarajan
115, Yadavagiri Extension, Mysore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7734—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43, First Avenue, situated at Shastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Dec. 2951/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—196GI/80

(2) Cader Meeran Aliar Buhari
(A) C.M.A. Buhari, 43, First Avenue,
Shastri Nagar, Madras-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 43, First Avenue, Shastri Nagar, Madras-20.
(Doc. 2951/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bahulaji,
19, Kasi Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramanlal,
27, Gopalakrishna Road,
Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7770—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10A, Venkatarama Iyer St., situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Dec. 1643/79) on November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10A, Venkatarama Iyer St., Madras-17
(Doc. 1643/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7806—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 119, Chamiers Road, situated at Nandanam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1957/79) on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(1) C. Thippanna Rao,
53, Madavan Nair Road,
Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Krishnaswamy,
16, Chinniah Pillai St.,
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 112, Chamiers Road, Nandanam, Madras.
(Doc. 1957/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated the 17th July, 1980

Ref. No. 7769—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 9, Shafee Mahammed Road, situated at Madras-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. 1612/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mir Habibullah Hussain,
129, 5th Cross St.,
Electricity Nagar, Vellore.

(Transferor)

(2) A. K. Shanmugasundaram,
23, North Boag Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 9, Shafee Mohammed Road,
Madras-6.
(Doc. 1612/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 17-7-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) S. Lakshminarayana Reddiar,
Selvambal
Vidyavathy
Kousalya, Sakunthala
Chinnababusamudram, Kandamangalam 605 102.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600 006

Madras-600 006, the 17th July, 1980

(2) New Horizon Sugar Mills (P) Ltd,
Sacrur (Ariyur) Villianur Commune,
Pondicherry.

(Transferee)

Ref. No. 8823—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

268, Kandamangalam, situated at Villupuram Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kandamangalam (Doc. 1171/79) on November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kandamangalam Villupuram Tk. of extent
14.24 Acres.
(Doc. 1171/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600,006

Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 8836.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Pennadam 3.78 Acres situated at Maligai Kottam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Pennadam (Doc. 2014/79 on November 1979) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Syed Rahim Sarapu
S/o. Syed Nabl Saragam
Pennadam.

(Transferor)

(2) K. N. Kuppuswamy S/o. Nathamuni Naidu
Pennadam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pennadam, Maligai Kottam Village 3.78 Acres
(Doc. 2014/79).

RADHA BALAKRISHNA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600,006.

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Narayana Iyer S/o. Ramayar
C. 13, Kaveri Nagar, Mayuram.

(Transferor)

(2) Rajagopal Naidu
S/o. Pethu Naidu,
C. 13, Cauvery Nagar, Mayuram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006

Madras-600006, the 16th July 1980

Ref. No. 8809 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C 13 & C13A, Situated at Kaveri Nagar Colony, Mayuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mayuram (Doc. 999/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at C 13 and C 13A, Cauveri Nagar Colony, Mayuram
(Doc. 999/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 16-7-80
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, Madras-600006,
Madras-600006, the 17th July 1980**

Ref. No. 10534.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 612, 613/2 Situated at
Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5185/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Deenadayalan
Padmanabhan
Parthasarathy
Kadirvel,
Marappalayam Road, Karungalpalayam Erode.
(Transferor)

(2) B. Ramaprasad, K. Guruswamy,
Shanmugham, Kuppuswamy, Vasantha
Rafia Begum, K. Ramaswamy, K. Abdul
Muthalif, Mohammed Yakoob,
41, B. R. K. Road, Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 612, 613/2, Erode
(Doc. 5185/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 17-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II Madras-600006

Madras -600006, the 17th July 1980

Ref. No. 10534—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 244, TS. No. 616/2, 617/2, situated at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5199/79)

on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2—1961/80

(1) D. Lakshminarayanan
Parthasarathy
S/O K. V. Dorairaj Pillai
Marappalam Road, Karungalpalayam Erode.

(Transferor)

(2) B. Ramprasad K. Guruswamy,
Shanmugham, Kuppuswamy, P. Vasantha
Rafia Begum, K. Ramaswamy, Mohammed
Yakoob 41, B. R. K. Road, Erode.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 617/2 and 616/2, Erode.
(Doc. 5199/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II

MADRAS-600006

Date : 17-7-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 8842—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, Shanmugham Road, situated at Tambaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. 4727/79 November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) J. Motilal. Sowcar
22, Shanmugham Road, Madras. 45.

(Transferor)

- (2) P. S. Nambiyar,
S/o, Sankara Group
24, Shanmugham Road,
Madras-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 24 Shanmugham Road, Tambaram
Madras.

(Doc. 4727/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006,

Date - 17-7-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) L. Subramanian,
63, Chekkalai Road, Karaikudi

(Transferor)

(2) Kala Veerappan
63, College Road, Karaikudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th July 1980

Ref. No. 7885—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 63, College Road, situated at Karaikudi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. 2566/79 on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 63, College Road, Karaikudi.
(Doc. 2566/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 17-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 13th March 1980

Ref. No. 269/79-80/Acq.—Whereas, I, H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Matriz

No. 99, Survey No. 104 to 107 situated at Junction of Dr. Borkar Road & Dr. Shirogar Road Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas-Panaji under Document No. 502 on 22-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Zoiwantibai Anglo alias Jaiwantibai Angle or Zoiwantibai Poi Anglo alias Gangabai Zoixi, residing at Panaji.

(Transferor)

- (2) 1. Yeshwant Shiva Angle, Residing at Bombay.
2. Venkatesh Shiva Angle,
3. Prabhakar Shiva Angle,
4. Balakrishna Shiva Angle,
5. Kishor Shiva Angle &
6. Audhoot Shiva Angle,
all residing at Near Mahalaxmi Temple Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document, No. 502 dated 22-11-1972]

Open land measuring 631 sq.m. with residential building bearing matriz No. 991 situated at Junction of Dr. Borkar Road & Borakar Road & Shirogar Road, Panaji-Goa. It is surveyed under Survey No. 104 to 107.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the, 16th May 1980

Notice No. 275/80-81—Whereas, I, H. TIMMAIAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS. No. 467

situated at Ward No. II, Bellary galli, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 1564 on 15-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Gurulingappa Bhimappa Ullikasi.
2. Shri Bhimappa Gurulingappa Ullikasi.
3. Smt. Gurushantavva Manjappa Ullikasi.

(Transferors)

1. Shri Parashuram Hanamantasa Baddi.
2. Shri Raghunathasa Hanamantasa Baddi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1564 dated 15-11-1979]

Land and building in C.T.S. No. 467 situated at Ward No. II, Bellary galli, Hubli.

H. TIMMAIAH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3 July 1980

C.R. No. 62 26304/79-80/ACQ/B—Whereas, I,
N. VEERARAGHAVAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

86/4E (graden)
situated at Badanidiyur Village,

Udupi (Tq)
South Kanara (Dt)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi. Document No. 1117/79-80 on 26-2-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. Tukaram Rao,
S/O Sri B. Kedarji Rao,
Residing in Badanidiyur Village
Udupi (Tq)
South Kanara (Dt)

(Transferors)

(2) M/s Rajamahaj Hotels Private Ltd.
Syndicate house, MANIPAL. South Kanara (dt)
Represented by it's director
Sri T. Ramesh U. Pai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No, 1117/79-80 dt. 26-2-80
All that property (vacant land) bearing No. 86/4 F Situated in Badanidiyur Village of Udupi (Tq) South Kanara (Dt).

N. VEERARAGHAVAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-7-1980
Seal :

FORM ITNS ———

1. Shri. K. S. Anandarama Setty,
No. 309, Sharadananda Bhavan Rd.
Visveswarpuram, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3 July 1980

(1) M/s. K. S. Aswathanarayana Setty
(2) N. A. Nagendra,
(3) N. A. Dwarakneth
(4) N. A. Natarij,
(5) N. A. Pradeepkumar
No. 69/A, Middle School Rd. V. V. Puram, Bangalore-4
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

C. R. No. 62/25983/79-80/Acq/B.—Whereas I, Sri N.
VIRARAGHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Portion No. 7, (Old No. 23)
situated at Kanakapura Road,
Basavangudi, Bangalore-4

Plot situated at Lashkar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Basavangudi, Bangalore, in Document No. 2737, on 14-12-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2737/79-80 Dated 14-12-1979
House property bearing No.
Portion No. 7, Old No. 23, Kanakapura Road, Basavangudi
Bangalore-4.

The property is bounded by

North — Portion of the same property
South — Private property
East — Conservancy Lane
West — Kanakapura Rd.

N. VIRARAGHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated 3-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th July 1980

No. C. R. No. 62/25489/79-80/ACQ/B— Whereas
I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 398-2 B and 397-3, and 398 4A and T. S. No. 187-4A, 187-2B/, 188-3, situated at Court Ward, Cusabo Bazaar Village, Mangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore Doc No. 621/79-80 on 17-11-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Mrs. Harmie Gonsalves, widow of late Fredrick Gonsalves, (2) Glenn Everest Gonsalves (3) Mariola Jane Gonsalves (4) Louella Carmilita Gonsalves No. 2-4, are minors, and children of No. 1 of Karnad Sadashiva Rao Road, Kodialbail Village, Mangalore Town.

(Transferor)

2. Shri B. M. Ramakrishna, S/o Sri Madhavraya Hathwar, Hotel Owner, residing at Door No. 1165, 11 Cross, Ashoknagar, Mandya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 621/79-80 Dated 17-11-75]

Non agricultural property in:—

R.S. No.	T.S.No.	Extent
		A—C
1. 398-A	187-4A	0-79-1/2
2. 398-2B	187-2B1	0-07-1/2
3. 397-3	188-3	0-01
with residential premises bearing Municipal Decr No. 14-6 934 and 14-6-935 to 937 situated at Court Ward, Cusabo Bazaar Village, Mangalore Town.		

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 10-7-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dillip. L. Bhatavia. No. 77, S. P. Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. Shrivalingappa. No. 25/1, Siddanna Lane, Cubbonpet, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10 July 1980

No. C. R. No. 62/25649/79-80/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1

Situated at 4th Cross, Lalbagh Road, Bangalore-27.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudri Bangalore DCC. No. 2333/79-80 on 12-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—196GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2333/79-80 dt. 12-11-79
Vacant site bearing No. 6/1, Situated in 4th Cross, Lalbagh Road, Bangalore-27.
Bounded on North By Private property.
South Site No. 6. Owned by R.L. Bhatvia.
East Land left for road leading to IV Cross.
West Cross Drain.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 10-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th July 1980

No. 62/25627/79-80-ACQ/B—Whereas, I,
R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 179.

situated at Rastreeya Vidyalaya Road,
Vishweshwarapuram, BANGALORE-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore-4, Document No. 2163/79-80 on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269C of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

(1) Shri R. Krishna Murthy (2) R. K. Bharath,
538, "Anantha Nilaya" 32nd cross, IV Block
Jayanagar BANGALORE-11.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Krishnaiah Setty, 388, Rama Iyengar
Road, Vishweshwarapuram, BANGALORE-4.

(Transferee)

(3) Shri S. N. Paarthasarthy, no. 179, R. V. Road,
V. V. Puram, BANGALORE-4
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2163/79-80, dt. 2-11-79)

House Premises bearing No. 179, situated in Rastreeya
Vidyalaya Road, Vishweshwarapuram, BANGALORE-4.
Bounded on North Private Property
SOUTH Private Property
East Private Property
West R. V. Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated 10-7-1970

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajendra L. Batavia S/o L. N. Batavia, No. 77, Sardarpatrapa Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. Lokanatha S/o N. P. Gopalappa, No. 84/1, Third Cross, III Main Sampangramnagar, Bangalore-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGLORE

Bangale-560001, the 10th July 1980

Ref. No. 62/25648/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6

situated at Nala Cross, Lalbagh Road, 4th cross, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 2332/79-80 on 12-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2332/79-80 dated 12-11-1979]

Vacant site bearing No. 6, Nala Cross, Lalbagh Road, 4th Cross, Division No. 38, Bangalore-27.

Bounded on : North : by site No. 6/1,
South : by private property
East : by Land leading to IVth Cross
West : by Cross Drain.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BENGALORE

Bangalore-560001, the 22nd July 1980

Ref. No. 62/25978/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule

situated at Gandhibazaar Rd. Basavangudi, Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavangudi,

B'lore, Doc. No. 2649/79-80 on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Rajabai, K. Wade, W/o Dr. Karmchand Wade, No. 15, Bachammal Rd., Cox Town, Bangalore-5.

(Transferor)

2. (1) Smt. Laxmi Devi W/o Shri C.M.M. Sharma, (2) Smt. Swarnalatha, W/o Sri. M. Vasudev, Both residing at No. 13/13, Pampamahakavi Rd., Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document. No. 2649/79-80 dated 10-12-79]

House property bearing No. 86, (old No. 86/2) situated at Gandhibazar Rd., Basavangudi, Bangalore-4.

Bounded on : North by Conservancy lane,
South by Gandhibazar Rd.,
East by Sri. K. S. Kappurao's house,
West by Sri Vasudeva Murthy's house.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd July 1980

No. 62/25567/79-80/ACQ/B—Whereas I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 69, and New No. 159 situated at Kumbarpet main road Bangalore city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2854 on 29-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Askok kumar alias Ashok, No. C-25, Venkoba Rao lane Nagarthpet, Bangalore 2.

(Transferor)

- (2) Shri (1) J. N. Gangaram Rao. (2) J. N. Krupashankar Rao, (3) J. N. Manjunath Rao. (4) J. N. Naniunda Rao. No. 7, Punganur Ramanna lane, II cross S. P. Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2854 dated 29-11-79)

House property bearing Old No. 69 and New No. 159 Kumbarpet Main road Bangalore, City

Boundaries : On North : Kumbarpet main road
On South : Shantha Mirsas Buildings
On East : Hanumakka's Buildings
On West : Murthy's Building

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 23-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 22nd July 1980

No. 62/25674/79-80/Acq./B.—Whereas I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. 59/01, (out-house) situated at West Anjaneya Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Basavanagudi, Bangalore, D.O.C. No. 2539/79-80 on 30-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. V. Narayana Rao, S/o Rao Bahadur B. Venkateshachar, No. 59, West Anjaneya Temple Road Basavanagudi, Bangalore-560004.
(Transferor)
- (2) Shrimati R. Banumathi, W/o Sri A. Ramamurthy, No. 70, II Crossa Gavirpuram Extension, Bangalore 560019.
(Transferee)
- (3) Shri (1) B. N. Rangaswamy
(2) Anantha Narayana Vadyar.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2539/79-80 dated 30-11-79]
House Property bearing No. 59/01, (out-house) situated at West Anjaneya Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
Bounded on North by Premises No. 78/3
South by Premises No. 78/1
East by Premises No. 59 of B. V. Narayana Rao
West by Premises No. 78

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-7-1980

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

BANGLORE

Bangalore-560001, the 23rd July 1980

No. 62/25511/79-80/Acq/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Situated at : Boloor village, Mangalore city Municipality area, Mangalore..

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 680 on 15-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Rama Kamath S/o. M. Nagappa Kamath, represented by his agent K. Balakrishnan Shenoy S/o. Dayananda Rao Ansari Road, Bunder, Mangalore. (Transferor)
- (2) (1) N. S.C. Bhandary S/o K. Annappa.
 (2) Saroja S. Bhandary W/o No. 1.
 both residing at Boloor village Mangalore-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 680/79-80 dated 15-11-79)
 Property bearing R. S. No. 57-3A and 57-11A.
 Situated in Boloor village, Mangalore City. Municipality, Mangalore (S.K.)

R. THOTHATHRI
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-7-80.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGLORE

Banglore-560001, the 25th July 1980

No. 62/25539/79-80/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 566/2, A/517/2, 654 Shop No. 4, situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chamarajnagar, Doc. No. 796/79-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri. B. S. Ananthanarayana S/o. Jois Subramanaiah, No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajnagar Mysore District.

(Transferor)

(2) Shri. H. M. Srikantaswamy, S/o Late Sri H. P. Mallana, A-446, Jain Street, Chamarajnagar, Mysore District.

(Transferee)

(3) Sir. Soorram Deepak Textiles, Bazaar St. Chamarajnagar, Mysore District.

(Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 796/69-80 dated 28-11-79)

House property No. 566/2, A, 517/2, No. 654, Shop No. 4, Big Bazaar Street, Chamarajnagar.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE

Bangalore-560001, the 26th July 1980

No. 62/25540/79-80/ACQ/B—Whereas I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 566/2, A-517/2, Shop No. 654, Situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chamarajnagar (East Dec. No. 797/79-80) on 28-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—196GI/80

(1) Shri B. S. Ananthanarayana Rao, D. No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajnagar, Mysore District.

(Transferors)

(w) Shri C. V. Channavaerainaj, S/o. C. Veerabhadraiah, Veerabhadraiah, Door No. 8-104, I D. No. 6-85, II Cross, Chamal Street, Chamarajnagar, Mysore District.

Transferor(s)

(2) Shri C. V. Channaveeraiah, S/o. C. Veerabhadraiah, Door No. 8-104, I Devaga Street, Chamarajnagar, Mysore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 797/79-80, dated 28-11-70)
Shop premises bearing No. 654, Municipal Khata No. 566/- 2 and A. 517/2 Situated at Big Bazaar Street, Chamarajnagar, Mysore District.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 26-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1980

Ref No. RAC. No. 185/80-81—Whereas, I, S. GOVIND-ARAJAN,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-1-69/5/A situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on November-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Mirza Mohammed Jaffar, H. No. 6-1-69/5/A Saifabad, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Mrs. Arifunnissa W/o Mirza Saleem Baig, H. No. 5-9-8/3 Saifabad, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 6-1-69/5/A situated at Saifabad, Hyderabad registered vide Document No. 3027/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date 7-7-1980 ;

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th July 1980

Ref No. RAC. No. 186/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring

Plot No. 2 in situated at 10-3-314 Masab-Tank

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on November-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Fatima Begum, W/o Col. S. Almedullah H. No. 16-10-29, Old Malakpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri B. Sitarama Rao, R/o Suraram Village, Ramanapet, Tq. Nalgonda-Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 2, admeasuring 511-Sq. Yds. part of M. No. 10-3-314 at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Document No. 6662/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 8th July 1980

Ref. No. RAC. No. 187/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

Land S No. 116, 117 situated at Gaganpad-Vigg, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West, on Nov. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Patangi Babaiah, S/o Sri Hanumaiah, H. No. 1-24 at Gaganmahal-Villg. Hyderabad West. Rangareddy-Dist.

(Transferor)

(2) Shri Gadiraju Narayana Raju S/o Satyanarayana Raju H. No. 1-10-at Gollalakoderu-vellg Beemavaram-Tq. West-Godawari-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land in survey No. 116 and 117, total area 7.10 Acre, situated at Gaganpad-Village, Hyderabad-West, registered vide Document 2650/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1980

Ref No. A.F.No. 1045.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 78/1 situated at Navuduru Bhimavaram Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yesweswarapuram on 31-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (i) Sri D. Vijaya Venkata Ramaraju, Nelapogulu, Bhimavaram Tq. West Godavari Dt. A.P.
(ii) Sri Dandu Sanjeeva Raju, Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt. Andhra Pradesh.
(iii) Sri Dandu Koti Anandaraju, Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, West Godavari Dt. Andhra Pradesh.
(iv) Smt. Dandu Vijayalaxmi Nelapogulu, Bhimavaram Taluk, W.G.Dt. Andhra Pradesh.
(Transferees)
2. (i) Sri Penumatsa Venkata Mallikharjuna Srinivasa Varma, Adopted son of Mr. P. Sriramachandraraju Gowthammagar, Kothagudem Tq. Khammam Dt. A.P.
(ii) Sri Bhupatiraju Ramaraju, S/o Sri Venkataraju Penumantra, Tanuku Tq. W.G. Dt. (A.P.).
(iii) Smt. Bhupatiraju Padmakumari, W/o Ramaraju Penumantra, Tanuku Tq. W.G. Dt. A.P.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered documents Nos. 68/1980, 69/1980 & 70/1980 dated November, 1979 before the S.R.O. Yesweswarapuram.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Anguri Devi W/o Sri M. R. Gupta, H. No. 7-2-1087/10-4/2 Sanathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. Sarojini W/o V. Narsingarao, H. No. 7-1-611/1 at Amcerpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDRABAD

Hyderabad the 1980

Ref No. RAC. No. 190/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-2-1087/10-4 situated at Sanathnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at st Khairtabad on Nov-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building of ground floor and 1st floor bearing M. No. 7-2-1087/10/4 and No. 7-2-1087/10-4-1 at Sanathnagar, Hyderabad. registered vide Document No. 2946/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madhukar Vithalrao Kawade, Circle No. 8/13, Tin Nal Chowk, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt Wasundhra A. Bal, Mrs, Mangla Mancher Dabir, Shri Mohan Krishnaji Pensare, Mrs. Sanyukta V. Ralegaonkar, Mrs. Sandhya Martand Burange, Mrs. Vaishali A. Upadeo, Mrs. Indu Kurekar, Shri Prashnat S. Tanksale, Mrs. Anita. Kapre, Shri Sudhir K. Udgaonkar, Shri Satish D. Mujumdar Shri Govind M. Khandait, All resident Nagpur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE THAKKAR'S BUNGLOW,
GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 15th May, 1980

No. IAC/ACQ/141/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6, in the layout of Scientific Co-op. Housing Society Nagpur, situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 19th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (z) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block No. 5, Circle No. 20, in the layout of Scientific Cooperative Housing Society, Nagpur. (Are 743.216 Som.)

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW
CIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 15th May 1980

No. IAC/ACQ/141/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Field No. 300-304/3, Area 2.75 Acres in two parts (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hinganghat on 16, 26, Nov. 70

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hemraj Narayan Raghtate,
Smt. Kausalayabai Hemraj Raghtate,
Shri Damodhar Hemraj Raghtate,
Shri Vijay Hemraj Raghtate,
Shri Balwant Hemraj Raghtate,
Shri Prakash Hemraj Raghtate,
Shri Suresh Hemraj Raghtate,
Shri Ramesh Hemraj Raghtate,
Shri B. N. Raghtate,
Smt. Anjanabai B. Raghtate.
Allresident of Hinganghat.

(Transferors)

- (2) Shri Balwant Tulsiram Dhokane, Shri Vinayak Pandurang Chandrayan, Shri Suresh Pandurang Marjive, Kewalram Kawaduji Sawarkar, Shri Madhukar Asaramji Borkar, Namdeo Baggaji Turkar, all resident of Nagpur.

(Transferees.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 2.75 Acres in two parts out of field No. 300-304/3, Mouja Hinganghat, Mouja No. 407, Tah. Hinganghat, Dist. Wardha.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Acquisition Range, Nagpur
Acquisition Range, Nagpur

Dated : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW :
GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 20th May 1980

N.O. IAC/ACQ/142/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 11, P.C. No. 39, Mouja Chikhal, Situated at Chikhali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur

on November 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anusayabai Shrawanji Sarede, Cir. No. 3, Siraspeth, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Sant Dyneshwar Gruh Nirman Sahakari Saustha Ltd., Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 11, P.C. No. 39, Area 2.40 Acres, Mouja Chikhli.

S. K. BILLAIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, NAGPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—196 GI/80

Dated : 20-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajubai Dhanraj Bhargava, Chandrapur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vinubai Balkisanji Kakani, Amravati.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, THAKKAR'S BUNGLOW,
GIRIPETH, NAGPUR

Nagpur, the 29th May 1980

No. IAC/ACQ/143/80-81—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 38/2, situated at Bhanapeth, Chandrapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 27-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 38/2, Sheet No. 10, Block No. 51, at Bhanapeth, Chandrapur.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dated : 29-5-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kishore Raman Bhargava SB-27 Tonk Road,
Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nand Kishore Saraf, s/o Shri Ramgopal Saraf,
B-66, Siwar Area, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/727—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. SB-56 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at plot No. SB-56 Bapu Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 10 dated 10-1-1980.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

ate : 11-6-1980

DSeal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej./IAC (Acq.)/732—Whereas I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Hsuse property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/c Nalau Park, Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shri Abdul Mazid s/o Shri Fakir Mohd. & Mchunisa, w/o Abdul Mazid Musalman Mahawato ki Masjid Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1843 Dated 8-11-79

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/733—Whereas, I M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur

(Transferor)

(2) Shri Shamsuddin s/o Azimkhaji Musalman Bauba Mohalla, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Jnder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 1833 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 11-6-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Zail & Abdul Mazid s/o Abdul Latif Musalman Girdikot, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)—734—Whereas, J, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1831 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madantal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Gaffar & Abdul Sattar, s/o Lal Mohdji Mahawato ki Masjid, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/735—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1830 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-6-80

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madanlal s/o Shri Mukan Chand c/o Nehru Park, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Assi Bai w/o Murad Khan Masalman & Saffi Mohd. Abdul Raziq, Karmudding Mandir, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/731—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 8-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property known as Inder Vilas, Mahila Bagh Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1832 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-6-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mahavir Prashad, Gautam Chand, Rajendra Kumar S/o Bhanwarlal C/o M/s Gulram Bhanwarlal, Kishangarh.

(Transferor)

(2) M/s Mittal Industries C/o Naresh Textiles, Katla, Kishangarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/755—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. Land, situated at Kishangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishangarh on 8-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—196 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land measuring 16 bigha 16 biswa situated at Knoda Ganesh Road, s/o Octroi Post, Kishangarh & more fully described in the sale deed registered by S. R. Kishangarh vide No. 1045 dated 8-11-79.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jeevraj S/o Tejmal Jain Sankhla, R/o Sankhla Gali, Beawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ganpati Colonisers, Beawar through its Partners: (1) Shri Sureshchand, S/o Bhajanlal Saraf, (2) Shri Kanmal, S/o Shri Gulabchand Modi, (3) Smt. Saraswati, w/o Dhagchand, Beawar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rcj/IAC/(Acq.)/749—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 8/533

situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 8/533 on Tatgarh Road, Near S. D. Govt. College, Beawar.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jay Kumar Motiyani, S/o Parumalji Motiyani,
R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chiman Jagwani, son of Shri Daulat Ramji
Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rcj/IAC (Acq.)/750—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 631

situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S.R. Jodhpur.

M. L. CHAUNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-80

Sd/- :

FORM ITN6—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref. No. Rej/AIC (Acq.)/751—Whereas, J, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 631 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jay Kumar Motiyani S/o Parumalji Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Chiman Jagwani, son of Shri Daulat Ramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S. R. Jodhpur.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/752—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Plot No. 631 situated at
Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 16-11-79
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or the assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Jay Kumar Motiyani, S/o Parumalji Motiyani,
R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Ishwar Jagwani son of Shri Daulat Ramji
Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur
and more fully described in the sale deeds registered by the S.R.
Jodhpur.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 16-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 16th July 1980

No. Rej/IAC (Acq./753—Whereas, I M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 631 Situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunderdas, S/o Sh. Desrajumal Sindhi Motiyani, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Deodas Jagwani son of Shri Daulat Ramji Jagwani R/o Sardarpura, C.-Road, Jodhpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur and more fully described in the sale deeds registered by the S.R. Jodhpur

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 16-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th July 1980

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/754—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 631 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 16-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunderdas, S/o Shri Desrajmal Sindhi Motliyan, R/o Sardarpura Residency Road, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shri Deepak Jagwani, son of Shri Daulatramji Jagwani, R/o Sardarpura, C-Road, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 631, Residency Road, Jodhpur described in the sale deeds registered by the S.R., Jodhpur.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-7-1980,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th July 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/756—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. E-53 situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimati Sarla Devi, W/o Govind Narain self guardian of Meena, Beena, Nisha and Picuse, daughters and son of Govind Narain, B-69, Subhash Nagar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Devi, W/o Mohanlal and SVS. Shankarlal, Ram Baboo, and Nand Kishore, sons of Shri Mohanlal, E-53, Shastri Nagar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property for residential use located at Plot No. E-53, Shastri Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2854 dated 6-11-1979.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-7-1980.

Seal :

FORM ITNS—(1) **Shrimati Dhaneshwari Devi, W/o Shri Gyan Mohan Das**
At Karaiyaganj, khankerbagh, Dt. Muzaffarpur

(Transferor)

(2) **Smt. Jagataram Choudhary, W/o Shri Arjun Prasad**
Choudhury, At Mohammadpur Kazi, Pankha Toll, Dt
Muzaffarpur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-415/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Ward No. 8, old, 18 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc
situated at Mohalla Saraiyaganj, Muzaffarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Muzaffarpur on 26-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Dhurs with building situated at Mohalla
Saraiyaganj, Dt. Muzaffarpur more fully described in deed No.
15697 dated 26-11-79 registered with the District Sub-Registrar,
Muzaffarpur.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

27—196GI/80

Date : 7-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-416/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. -8 old, 8 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc. situated at Mohalla karaiyaganj, Dt. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 27-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Dhaneshwari Devi, W/o Shri Gyan Mohan Das Saraiyaganj, Shankerbagh, Muzaffarpur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Jagataram Choudhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, At Kazi Mohammadpur, Pankha Toli, Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 70 Dhurs with building at Mohalla Saraiyaganj, Muzaffarpur more fully described in deed No. 15759 dated 27-11-1979 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date: 7-7-1980.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Reg. III-417/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8, (old) 18 (New) Holding No. 299, Thana No. 406 etc, situated Mohalla karaiyaganj, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 20-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gyan Mohan Dass, S/o Shri Chhatu Lal Das, Saraiyaganj, Shankar Bagh, Muzaffarpur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Jagatara Choudhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, Mohalla Kaji Mohammadur Kzai, Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Dhurs with pucca building in Mohalla Saraiyaganj, Muzaffarpur more fully described in deed No. 2087 dated 20-2-1980 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 7-7-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-418/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 Old, 18 New, Holding No. 299, Thana No. 406 etc. situated at Mohalla Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gyan Mohan Das, s/o Shri Chhatu Lal Das, At/ P.O. Saraiyaganj Shankar bagh, Distt. Muzaffarpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Jagataran Choudhury, W/o Shri Arjun Pd. Choudhury, At/P.O. Kazi Mohammadpur, Pankha Toll, Muzaffarpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Dhurs with building situated at Mohalla Saraiyaganj, Distt. Muzaffarpur more fully described in deed No. 4467 dated 8-4-80 registered with the District Sub-Registrar, Muzaffarpur.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 7-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mani Lal Gorasia, S/o Chhota Lal Gorasia, At & P.O. Chas, Distt. Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Sarala Devi Rampuria, W/o Sri Magan Mal Rampuria, (2) Smt. Bimala Devi Rampuria, W/o Sri Nem Chand Rampuria, At & P.O. Chas, Pargana Khaspel, Distt. Dhanbad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA(3) M/s Sangita Cloth Emporium, Chas, Dhanbad.
(Person in occupation of the property)

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-419/Acq/80-81—Whereas I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mouza No. 30, Khata No. 566 Plot No. 6998 etc. situated at Chas, Dhanbad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chas on 13-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

5 decimal land with pucca house construction thereon bearing Mouza No. 30, Khata No. 566, Plot No. 6998 etc. situated at Chas, Dhanbad more fully described in deed No. 9062 dated 13-11-1979.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 7-7-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-420/Acq/80-81 --Whereas I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Improvement Trust Plot No. 84C, (Part) Ward No. 11(old) 18 (New), Thana No. 4, etc. situated at Rajendra Nagar, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 21-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopi Krishna Sinha, S/o Late Ishwari Prasad Sinha, At & P.O. Maheshpur, Distt. Monghyr, Presently at Congress Maidhan, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferor)

(2) Shrimati Madhuri Singh, W/o Shri Lakshmi Narayan Singh, At. Rajendra Nagar, Patna-16, C/o Shri Mirtunjay Narain Singh, R.K. Avenue Road, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Kathas 6 Dhurs land at Rajendra Nagar Road No. 2B, P.S. Kadamkuan, Patna more fully described in deed No. 7070 dated 21-11-1979 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date 7-7-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-421/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Circle No. 13 New, Holding No. 30/29, Ward No. 5, Sheet No. 53 etc. situated at Bakerganj, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-11-1979

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arun Prasad, of Mohalla Bakerganj, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Rajib Kumar Verma, Minor represented by his mother Smt. Bimala Devi of Mohalla Grhatta, P.S. Khajakala, Patna City, Distt. Patna.

(Transferees)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

16½ decimal land with pucca building in Mohalla Bakerganj in Patna town, more fully described in deed No. I 6076 dated 23-11-79 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 7-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-422/Acq/80-81— Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 30/29 (Part) Ward No. 5, Sheet No. 53 etc. situated at Bakerganj, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Prasad of Bakerganj, P.S. Kadamkuan, Patna town.

(Transferor)

- (2) Smt. Binah Devi of Mohalla Gorhatta, P.S. Khajakala, Patna City, Dt. Patna

(Transferee)

- (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 16½ decimal with pucca building erected on it bearing Holding No. 30/29 (Part) Ward No. 5, Sheet No. 53 under the Zamindar of Bihar State more fully described in deed No. I-6063 dated 22-11-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Patna

Date : 7-7-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 7th July 1980

Ref. No. III-423/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 481, Khata No. 1, Thana No. 212, etc. situated at Shamlong, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

28—196GI/80

- (1) Shri Badri Prasad Tebriwalla, residing at 4, Shindali Road, Alipore, Calcutta, Shri Lalit Prasad Iremaini residing at Chutia Road, Shamlong, Ranchi.

(Transferor)

- (2) M/s Bihar Udyog, through Shri Suresh Kumar Khemka, Partner, M/s Bihar Udyog, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with building, factory, Shed, Godown and other structures, more fully described in deed No. I 6055 dated 22-11-1979 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

J NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 7-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. L.C. 412/80-81—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy, No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P.P. Narayana Pillai
Geethe Nivas, Diwans Road,
Ernakulam

(Transferors)

(2) Shri S. Harjit Singh,
XLI/840 A.S. Bave Road, Ernakulam
Ernakulam

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to doc No. 4059 dt. 27-11-79

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Radha Devi, Geetha Nivas, Diwans Road, Ernakulam.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Manjit Singh,
XLI/840, A.S. Bava Road,
Ernakulam.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. L.C. 413/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to document No. 4085 dated 29-11-19780.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-7-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN

Cochin-682016, the 9th July 1980

Ref. No. L.C. 414/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Radha Devi,
Geetha Nivas, Diwans Road,
Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh,
XLI/840 A.S. Bava Road,
Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as per schedule attached to doc. No. 4060/dt. 27-11-1979

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 9-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vijaya Kumaran, T.V.
Neelamuttam, Puthiya Kavu,
Tripoonithura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K.S. Chathunny,
Kottara House,
Mission Quarters, Trichur-I.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE COCHIN

Cochin-682016, the 14th July 1980

Ref. No. L.C. 415/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Tripoonithura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tripoonithura on 15-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 3986/79 dt. 15-11-1979.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1980

Ref. No. SPT/17/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring six bighas situated at Vill. Kalupur Teh. Sonapat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gulwant Kaur W/o Sardar Ajit Singh S/o Sardar Lal Singh R/o 282-L, Model Town, Sonapat.

(Transferor)

- (2) M/s Azad Steel Industries, Near I.T.I., Shadiapur Road, Vill K. Kalupur, Distt. Sonapat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 Bighas situated in Municipal Limit at Village Kalupur Distt. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3957 dated 9-11-79 with the Sub Registrar, Sonapat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 30-6-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. GRG/21/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 159/11, Inder Puri, situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B.S. Sarpal, H. No. E.P.T.-51, Sarjojini Nagar, New Delhi-110023.

(Transferor)

(2) S/Shri Satish Chander & Harish Chander, 9/477, Gali Maha Dev, Agra.

(Transferee)

(3) Dr. G.D. Bangia, H. No. 159/11, Inderpuri, Gurgaon.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 159/11, Inder Puri, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3254 dated 22-11-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 28-6-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. TSR/11/79-80—Whereas I., G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi with land measuring 8 kanals situated at Vill. Rattangarh (Shahabad Markanda)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thanesar in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

- (1) Shri Sarabjit Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, Village Ratangarh Teh. & Distt. Kurukshetra. (Transferor)
- (2) M/s Laxmi Solvent Industries, Rattangarh Teh & Distt. Kurukshetra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi with land measuring 8 kanals situated at Village Rattangarh (Shahabad Markanda) and as more mentioned in sale-deed registered at No. 3816 dated 27-11-1979 with the Sub Registrar, Thanesar.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. GRG/24/79-80 :—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 252/11 (New No. 455/7) situated at Old Railway Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—196 GI/80

- (1) Shri Bhagwan Dass Tailor Master,
Sant Lal Market, Sadar Bazar, Gurgaon. (Transferor)
- (2) Smt. Kaushalya Wanti C/o Sh. S.K. Sharma,
Advocate, Old Railway Road, Gurgaon. (Transferee)
- (3) M/s Asam Wood Crafts, Old Rly Road,
Gurgaon, (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Old house No. 252/11, New No. 455/7 situated at Old Railway Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3454 dated 14-12-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rothak, the 28th June 1980

Ref. No. SPT/22/79-80—Whereas I, G.S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 60 kanals 6 marlas situated at Village Kundli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sonapat in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Prabha D/o Shesh Pal Singh R/o Kundli and W/o Sh. Triloki Nath S/o Basheshwar Nath R/o Bundapur.

(Transferor)

(2) M/s Gedoro Expeller Unit, Housing Trust, Kundli (Sonapat),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 kanals 6 marlas situated at Village Kundli and as more mentioned in sale deed registered at No. 4775 dated 16-1-1980 with the Sub-Registrar, Sonapat.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak,

Date 28-6-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 28th June 1980

Ref. No. AMB/31/79-80. Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 35-L (measuring 572 sq. yds) Model Towns situated at Ambala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardar Singh Sahni S/o Shri Gurbachan Singh Sahni, G-9, Gangpura Extension, New Delhi-110014
(Transferor)

(2) 1. Shri Vinod Kumar Gupta S/o
Shri Prem Nath Gupta.
2. Smt. Angoori Devi W/o Sh. Prem Nath Gupta
R/o House No. 2081/6, Ambala City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 35-L measuring 572 sq. yds situated at Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 4951 dated 29-1-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. JDR/27/79-80—Whereas I, G.S. GOPAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 60-A situated at Model Town, Yamunagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jagmohan Kapoor, Manmohan & Kanwal Kapoor
S/o Shri Ram Lal Kapoor, Model Town, Yamunagar
(Transferor)

(2) S/Shri Manjit Singh Gadhok, Hari Kishan Gandhok,
S/o Shri Mohan Lal Gandhok, R/o 69-A, Model Town
Yamunagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 60-A situated at Model Town, Yamunagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5756 dated 19-3-1980, with the sub-Registrar, Jagadhari

G.S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 28-6-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Chatter Bhuj & Jagdish Rai sons of Shri Mai Ram R/o Safidon.

(Transferor)

(2) S/Smt. Kaushal Devi, Vidya Devi and Bohti Devi R/o Safidon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 28th June 1980

Ref. No. SFD/1/80/81—Whereas I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop situated at Mandi Safidon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Safidon in April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Safidon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 25 dated 7-4-1980 with the Sub-Registrar, Safidon.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date - 28-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 15th July 1980

Ref. No. KNL/41/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Showroom No. 3 with verandah and land situated at G.T. Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gian Singh s/o Shri Ladha Mal ,
(2) Shri Jagdish Singh and Kuldip Singh sons of Shri Gian Singh, residents of Model Town Karnal (Transferor)
- (2)(1) Smt. Kanta Rani w/o Sh. Des Raj
R/o Jarnaili Colony, Karnal.
(2) Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Sardar Singh R/o Bishanpura, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Showroom No. 3 situated at Chowk Mall Road, G.T. Road, Karnal and as described more in the sale deed registered at No. 4890 dated 29-11-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohta

Date 15-7-1980
Seal :

FORM ITN-3

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak the 15th July 1980

Ref. N. JDR/17/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building situated at Railway Road, Jagadhari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Inder Singh s/o Shri Pritam Singh
- (2) Shri Harbans Singh s/o Shri Pritam Singh c/o M/s I.H. Metal Industrial, Railway Road, Jagadhari. (Transferor)
- (2) (1) Shri Hasturi Lal s/o Shri Bhagwan D. ss
- (2) Shri Kishan Lal s/o Shri Mani Ram c/o M/s N.M. Metal Works, Jagadhari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Factory Building known as M/s I.H. Meta Industries, Railway Road, Jagadhari and as described more in the sale deed registered at No. 3957 dated 10-12-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Date 15-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th July 1980

Ref. No. AMB/24/79-80—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 107 Kanal 4 marla situated at Vill. Dheen Teh. Ambala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Sardha Nath Chela Sh. Samunder Nath R/o Ambala City.
(Transferor)
2. (1) S/Shri Madan Lal, Mulakh Raj S/o Shri Anokh Raj.
(2) Smt. Puspha Wanti W/o Sh. Madan Lal R/o Ambala City.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 107 kanal 4 marla situated at Vill. Dheen Teh. Ambala and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3894 dated 14-11-1979 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Dated 17-7-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th July 1980

Ref. No. Amb/26/79-80—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 77 kanal 3 marla situated at Vill. Dhin Distt. Ambala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—196GI/80

1. S/Shri Jile, Kesar Ram, Amrik Singh Chhotu Ram & Gulzar Singh, Gulab Singh s/o Shri Sardara Ram, R/o Vill. Dhin, Tehsil Ambala.

(Transferor)

2. (1) S/Shri Dhanpat, Arjan s/o Sh. Shadi Ram,
(2) Sh. Gian Singh, R/o Surja Ram Vill. Rurki Teh. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 77 kanal 3 marla situated at Village Dhani Teh. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4040 dated 23-11-1979 with the sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-7-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 16th July 1980

Ref. No. JDR/15/79-80—Whereas, I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 140-A situated at Model Town, Yamunanagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raj Rani W/o Mehta Ishar Dayal, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Duggle s/o Sh. Chaman Lal, Shri Chaman Lal S/o Shri Gian Chand, 140-A, Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 140-A situated at Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3736 dated 21-11-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-7-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vipin Gupta S/o Shri Gurdas Singh, R/o Mohalla Kalala, Rohtak.

(Transferor)

(2) (1) Shri Narsingh Dass Chhabra S/o Sh. Ladha Ram.
(2) Smt. Bimla Devi W/o Sh. Narsingh Ram Chhabra
R/o Sir Chhotu Ram Bhawan, Civil Rohtak.

(Transferee)

(3) M/s Tyro Re-sole Company Civil Road, Rohtak.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROTHAK

Rohtak the 22nd July 1980

Ref. No. RTK/25/79-80—Whereas I. G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 31 & 32 Ward No. 10, situated at Civil Road, Rohtak

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House & Shop No. 31 & 32 Ward No. 10, Situated at Civil Road, Rohtak and as more mentioned in the registration deed registered at No. 3175 dated 16-11-1979 with the Sub-Registrar, Rohtak

G.S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date 22-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur the 9th June 1980

Ref. No. A.P. No. 214/3—Whereas I, B.S. Dehiya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gali No. 15 Mandi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jarnail Singh, Gurnam Singh, Sapuran Singh, Kartar Singh R/o Dharag Wala Teh. Fazilka.
(Transferor)
- (2) Shri Gurbaj Singh S/o Sh. Kartar Singh S/o Sh. Bhaag Singh R/o Vill. Muradwala Singh Teh. Fazilka.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1832 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Abohar.

B. S. Dehiya
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date 9-6-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2145—Whereas, I B.S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Nurpur Khirewali, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Agyapal Singh S/o Hari Singh S/o Santa Singh R/o Vill. Nurpur Khirewali P.O. Nurpur Khirewali Teh. & Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Pargan Singh, Darshan Singh Jagir Singh s/o Sh. Sunder Singh Vill. Nurpur Khirewali Teh. & Distt. Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed no. 3222 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

B.S. Dehiya,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Date 20-6-1980
Seal :

FORMATS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2146—Whereas I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Vill. Bajwara Teh. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurmej Lal Chamba alias Makhan Lal S/o Sh. Bhana Ram, Vill. Bajwara, Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdas Ram S/o Suba Ram Vill. Bajwara Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(person in occupation of the property.)
- (4) Any other persons interested in the property.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No: 3936 of Jan. 1980 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 20-6-1980
Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 20th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2147—Whereas I, B.S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at New Railway Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kartar Singh S/o Sh. Ram Singh R/o Kapurthala Road, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Joginder Singh s/o Sh. Gopal Singh C/o Eastern Punjab Harmonian, New Railway Road, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5768 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 20-6-1980
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 26th June 1980

Ref. No. A.P. No. 2148—Whereas I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at per Schedule situated at Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Parkash S/o M. R. Pandit R/o 26-Lajpat Rai Nagar, Jullundur (Present address not known). (Transferor)
- (2) Shri Charan Dass S/o Sh. Mangat Ram Vill. & P.O. Samrai Teh. Phillaur Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5776 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 26-6-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd July 1980

Ref. No. A.P. No. 2149—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Arya Samaj Mandir Road, Hoshiarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—196GI/80

- (1) Shri Ajit Singh S/o Shri Balwant Singh S/o Bhagwan Singh Arya Samaj Mandir Road, Hoshiarpur at present R/o 924 Sighe Gogyu Street Poona.

(Transferor)

- (2) Dr. Shiv Charan Dass, Tripta Devi Sood, Charitable Trust Arya Samaj Mandir Road, Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3406 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, 27th June 1980

Ref. No. AP. No. 2150—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill Naurangshahpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagat Singh S/o Sh Deva Singh Vill. Mehat Teh. Phagwara. (Transferor)
- (2) Shri Daljit Singh S/o Sh. Jagat Singh Vill. Mehat Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above in occupation of the property
- (4) Any other persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration deed No. 1582 of Nov. 1979 of the Registering Authority Phagwaral.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 27-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P. 2151—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Apra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charanjit Singh S/o Rattan Singh Vill. Samrari Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Ajmer Singh, Gurmeet Singh, Balbir Singh Vill. Samrari Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3419 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phillaur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 7-7-1980.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2152—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mall Road, Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Usha Devi W/o Harmohinder Singh R/o Malma Road, Kapurthala
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur W/o Kartar Singh Smt. Darshan Kaur W/o Sh. Mohan Singh and Rajinder Singh, Ravinder Singh S/o Sh. Mohan Singh, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2422 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 7-7-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1980

Ref. No. A.P.No. 2153—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mall Road, Kapurthala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kapurthala on Nov. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Brijinder Singh S/o Harmohinder Singh through Sh. Dan Singh Alias Devika wife self, Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shrimati Sumecta Ghai, Neelam Ghai Ds/o Shri Om Parkash, Kanwal Kumar S/o Shri Narein Dass R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 Above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2470 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Kapurthala.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-7-1980
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE JULLUNDUR**

Jullundur, the 4th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2154—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- As per Schedule situated at Moh. Sodianwala, Ferozepur City. No. 10, Model School Road, situated at Madras-600 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kunti Devi, Widow of Shri Amrit Rai, R/o Mohalla Sodian wala, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Shri Raj Paul Kapoor S/o Ram Chand R/o Mohalla Sodianwala, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Register at on sale deed No. 3992 of Nov. 1979 of the Registering Authority Ferozepur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date 4-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gian Chand, son of Sh. Radha Kishan R/o Toori Bazar, Ferozepur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2155—Whereas, I B.S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Toori Bazar, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Baldev Kumar, Sh. Parmod Kumar S/o Sh. Ram Gopal, R/o Kucha Saudagar Mal, Ferozepur City.
(Transferee)

(3) As Per Sr. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the under signed knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3753 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Ferozepur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-7-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2156—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Khara Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Gurmit Kaur W/o Sohan Singh, Vill. & P.O. Chahal Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal & Satish Chander Ss/o Mohinder Pal, Mohalla Bedian, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1511 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2157.—Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As Per Schedule situated at Khara Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Singh S/o Gurdev Singh, Vill & P.O. Chahal Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Pal S/o Nathu Ram & Bansi Dhar S/o Mohinder Lal, Mohalla Bedian, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1512 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 9-7-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th July 1980

Ref. No. A.P. No. 2158—Whereas, I, B. S. DEHIYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Khera Road, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Gurdev Kaur W/o Sohan Singh, R/o Chahal Kalan, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Bansi Dhar, Yash Pal, Satish Chander & Mohinder Pal Ss/o Nathu Ram, R/o Mohalla Bedian, Phagwara.
(Transferees)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1534 of Nov. 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-7-1980.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Virendra Thakka through Bhuneshwar Singh
(Transferor)
- (2) Shri (1) Ajai Singh (2) Rakesh Bahadur Singh (3)
Vinay Bahadur Singh (4) Abhai Bahadur Singh (5)
Smt. Bahadur Singh
(Transferee)
- (3) Dy. Director of Education Vth Circle UP Varanasi
(Tenant)
(Person is occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 26th July, 1980

Ref. No. GIR No. A-83/Acq.—Whereas I A.S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-20/51-A, Qaiser Castle, Burana Bridge situated at Pargana Dehat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 14-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. S-20/51-A known as Qaiser Castle situated at Settlement plot No. 4/1 and 4/2, Pargana—Dehat Amanat, Mohalla-Varuna Bridge, Varanasi (Municipal No. S-20/51 and 20/52 and present Nagar Mahapalika No. S-20/51-A) including land and building, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 11868 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 14-12-1979.

(A. S. BISEN)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date : 26-7-1980.

Seal :

